www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 40.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.700g

चांदी 106.000 kg

2 भारत-कनाडा रिश्तों में जमी बर्फ पिघली, जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी

नाइजीरिया के बेन्यू में 100 लोगों की गोली मारकर हत्या 06

वर्ष :17 | अंक :75 | प्रयागराज ,सोमवार , 16 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकवाद रोधी छापेमारी जारी

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को पुंछ जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवाद रोधी अभियान के तहत कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरनकोट तहसील के सौजियां और आसपास के क्षेत्रों में आठ स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने और उनके स्थानीय समर्थकों द्वारा युवाओं को उकसाकर विध्वंसक गतिविधियों में शामिल किए जाने की साजिश को नाकाम करने के उद्देश्य से की जा रही है। इससे पहले इसी महीने पुलिस ने सीमावर्ती पुंछ जिले में आतंकियों के मददगारों के खिलाफ करीब 60 स्थानों पर छापेमारी की थी।

ईरान में भारतीय दूतावास ने भारतीयों के लिए जारी किया हेल्पलाइन नंबर और टेलीग्राम लिंक

हम ईरान में सभी से अनुरोध करते हैं कि दूतावास से स्थिति पर अपडेट प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए टेलीग्राम लिंक से जुड़ें। कृपया ध्यान दें कि यह टेलीग्राम लिंक केवल उन भारतीय नागरिकों के लिए है जो वर्तमान में ईरान में हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान में भारतीय दूतावास ने कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और ईरान में वर्तमान में भारतीय नागरिकों के साथ संचार के लिए एक टेलीग्राम लिंक भी बनाया है। एक्स पर कई पोस्ट में विवरण साझा करते हुए दूतावास ने कहा कि टेलीग्राम लिंक केवल ईरान में भारतीय नागरिकों के लिए है। ईरान में भारतीयों से अनुरोध है कि वे भारतीय दूतावास से स्थिति पर अपडेट प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित लिंक से जुड़ेएक्स पर कहा गया है हम ईरान में सभी से अनुरोध करते हैं कि दूतावास से स्थिति पर अपडेट प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए टेलीग्राम लिंक से जुड़ें। कृपया ध्यान दें कि यह टेलीग्राम लिंक केवल उन भारतीय नागरिकों के लिए है जो वर्तमान में ईरान में हैं। दूतावास ने नागरिकों से घबराने से मना करते हुए सावधानी बरतने और तेहरान स्थित दूतावास के संपर्क में बने रहने को कहा। दूतावास ने भारतीयों से ईरान में सभी अनावश्यक गतिविधियों से बचनेऱ के लिए कहा और अपडेट के लिए दूतावास के सोशल मीडिया पेजों को फॉलो करने का आह्वान किया। इसने संचार के लिए कई संपर्क नंबर भी जारी किए।

योगी सरकार में गुंडों का फरमान नहीं चलता: अमित शाह

अमित शाह ने नवचयनित सिपाहियों को सौंपे नियुक्ति पत्र, योगी बोले, जितना पसीना बहाओगे...

नियुक्ति पत्र

अमित शाह ने कहा कि हमने महिलाओं के लिए जो आरक्षण दिया था, उसे उत्तर प्रदेश में पूरी तरह लागू किया गया है। अगर मैं पीएम मोदी के शब्दों का इस्तेमाल करूं तो आप 'अमृतकाल' में यूपी पुलिस में शामिल होने जा रही हैं।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60,244 से अधिक पुलिसकर्मियों की सामूहिक भर्ती को राज्य के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को लखनऊ में 60,244 नवचयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपी। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य के युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी दिया। अमित शाह ने कहा कि आज यहां उत्तर प्रदेश पुलिस बल में जो नई भर्तियां हुई हैं, उनमें 12 हजार से अधिक महिलाएं हैं।

अमित शाह ने कहा कि हमने महिलाओं के लिए जो आरक्षण दिया था, उसे उत्तर प्रदेश में पूरी तरह लागू किया गया है। अगर मैं पीएम मोदी के शब्दों का इस्तेमाल करूं तो आप 'अमृतकाल' में यूपी पुलिस में शामिल होने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज मेरे सामने बैठे युवाओं के जीवन का सबसे शुभ दिन है क्योंकि आज उत्तर प्रदेश के हर जाति, समुदाय और जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 हजार से ज्यादा युवा भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का सक्रिय हिस्सा बनने जा रहे हैं। राज्य की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही थी। लेकिन 2017 में राज्य में भाजपा की सरकार बनने और योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस फिर से नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर हो गई। शाह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आज तक पुलिस बल में भर्तियां जाति के आधार पर होती थीं। लेकिन आज तकनीक के माध्यम से पारदर्शिता के कारण आप सभी की नियुक्ति हुई है। आज सीसीटीवी कैमरे हैं, कंट्रोल रूम हैं, कमांड सेंटर हैं, डल्ली है, 150 से ज्यादा यूनिट हैं। आप सभी को इसे आगे बढ़ाना है।

चयनित सिपाही बोले- एक भी रुपया घूस नहीं लगा

- बरेली से आईं इज्मा अबी ने कहा- एक साथ 12 हजार से ज्यादा लड़कियों का सिपाही बनना बड़ी बात है। हमारा कहीं भी एक रुपया नहीं लगा।
- प्रीति ने कहा- मैं बहुत खुश हूं। हमारे परिवार में मैंने पहली सरकारी नौकरी पाई है। इतनी बड़ी संख्या में चयनित हुए युवाओं में मैं भी शामिल हूं।
- प्रयागराज से आए अनुराग शर्मा ने बताया- पहले की सरकारों में सुनाई देता था कि घूस दो और नौकरी पाओ। लेकिन यह भर्ती पूरी तरह निष्पक्ष रही।

शाह बोले- बिना पर्ची, बिना खर्ची के हुई ये भर्ती

शाह ने कहा कि पिछली सरकारों में कई सारी भर्तियां भी हुई। मेरे सामने 60,244 अभ्यर्थी बैठे हैं। मैं उनके सामने हिम्मत के साथ कह रहा हूं कि किसी को एक रुपए की रिश्वत किसी को देनी नहीं पड़ी है। भर्ती पारदर्शिता के साथ हुई है। न खर्ची, न पर्ची, सिफारिश से भी नहीं, जाति के आधार पर भी नहीं, और भ्रष्टाचार से भी नहीं। योग्यता के आधार पर 48 लाख आवेदन में से आपका चयन आपकी योग्यता के आधार पर हुआ है।

केदारनाथ के पास हेलिकॉप्टर क्रैश, 7 की मौत

हेलिकॉप्टर सर्विस रोकी; पैदल रूट पर मलबा गिरने से यात्री की मौत, चारधाम यात्रा रुकी

"धामी ने हेलीकाप्टर दुर्घटनाओं पर सख्त एसओपी बनाने के निर्देश दिए. उत्तराखंड में हेलीकाप्टर दुर्घटना की जांच एएआईबी करेगा.

एजेंसी

रूद्रप्रयाग/देहरादून : उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में रविवार को एक हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पायलट सहित उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गयी।हेलीकाप्टर बाबा केदारनाथ के दर्शन करा कर पांच श्रद्धालुओं और मंदिर समिति के एक कर्मचारी को वापस ला रहा था कि मौसम खराब होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे पायलट सहित उसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक 23 महीने की बच्ची भी है। श्रद्धालु परिवार महाराष्ट्र के निवासी थे।हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि आज सुबह करीब सुबह 5.30 बजे आर्यन एविएशन कंपनी का हेलिकॉप्टर वीटीबीकेए/बीईएलएल 407 गौरीकुंड क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर गौरी माई खर्क से ऊपर जंगल में गिरा है।दुर्घटना की वजह खराब मौसम है। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहा था। गौरीकुंड के ऊपर घास काट रही नेपाली मूल की महिलाओं ने इसके दुर्घटनाग्रस्त होने और गुबार उठने की सूचना दी थी।रूद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर केदारनाथ से प्रातः 5:21 बजे गुप्तकाशी के लिए रवाना हुआ था एवं 5:24 बजे इसे वेली प्वाइंट के पास देखा गया। उस समय क्षेत्र में अत्यधिक कोहरा था जिससे दृश्यता शून्य हो गई थी।6:13 बजे हेलीकॉप्टर के गुप्तकाशी न पहुँचने की जानकारी हेलीकॉप्टर कंपनी द्वारा दी गई।

हेलिकॉप्टर क्रैश में जान गंवाने वालों की जानकारी

1. पायलट राजवीर सिंह (जयपुर, राजस्थान) 2. विक्रम सिंह रावत (ऊखीमठ, उत्तराखंड) 3. विनोद देवी (उत्तर प्रदेश) 4. तृष्टि सिंह (उत्तर प्रदेश) 5. राजकुमार सुरेश (गुजरात) 6. श्रद्धा राजकुमार जायसवाल (महाराष्ट्र) 7. काशी (महाराष्ट्र)

साइप्रस दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

हवाई अड्डे पर स्वागत के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस को दिया धन्यवाद

मोदी ने एक्स पर लिखा कि साइप्रस पहुँच गया हूँ। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के विशेष सम्मान के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति श्री निकोस क्रिस्टोडौलिडेस का आभार। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों को महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में।

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को साइप्रस की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे, जहां वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ बातचीत करेंगे। मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे, जहां वह कनाडा और क्रोएशिया भी जाएंगे। यह दो दशकों से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि साइप्रस पहुँच गया हूँ। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के विशेष सम्मान के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति श्री निकोस क्रिस्टोडौलिडेस का आभार। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों को महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में। साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस के साथ वार्ता करेंगे।

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल गिरा, 2 लोगों की मौत 41का रेस्क्यू, 38 की तलाश जारी

पर्यटकों की भारी भीड़ के बीच पुल ढह गया

एजेंसी

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे के मावल तहसील में इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल रविवार को ढह जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए जिनमें 6 की हालत गंभीर है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि हादसे में छह लोगों को बचाया गया है जबकि कुछ लोग बह गए. पुलिस ने बताया कि मावल तहसील के कुंदामाला इलाके के पास हुई इस घटना के बाद अब तक तीन लोगों को बचा लिया गया है.इस बारे में एक अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ की टीमें घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रही हैं. लेगांव दाभाड़े पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का पुल ढहने के बाद अब तक एक व्यक्ति के बह जाने की आशंका है, जबकि तीन अन्य को बचा लिया गया है.अधिकारियों का सावधानी बरतने का आग्रह अधिकारियों ने लोगों से नदी के किनारों से दूर रहने और सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया है, खासकर मानसून के मौसम के दौरान. जिला अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि साइट पर सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है.

ढहा हुआ पुल संत तुकाराम से जुड़े पवित्र तीर्थ नगर देहू में स्थित है. इसका इस्तेमाल पैदल यात्री इंद्रायणी नदी पार करने के लिए करते थे. रविवार को इलाके में पर्यटकों की भारी भीड़ देखी गई, इसलिए घटना के समय कई पर्यटक पुल पर या उसके आस-पास मौजूद थे. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुल अचानक ढह गया, इससे पुल पर मौजूद लोगों को बचने का मौका ही नहीं मिला. वहीं नदी की तेज धारा ने पुल से गिरे लोगों को तेजी से बहा दिया.

एनडीआरएफ की टीमें तैनात

स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग की टीमें और गोताखोर घटनास्थल पर मौजूद हैं और लापता लोगों का पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं. राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की दो टीमें तैनात की गई हैं और वे बचाव अभियान में सक्रिय रूप से मदद कर रही हैं.

मथुरा में एक साथ 6 मकान ढहे, 3 की मौत

7 लोग मलबे में दबे; जेसीबी से मिट्टी खोद रहे थे, तभी हादसा हुआ

एजेंसी

मथुरा , मथुरा के गोविंद नगर इलाके में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक साथ 6 मकान अचानक से भरभराकर गिर गए। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 4 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। करीब 6 घंटे से 6-7 लोग मलबे में दबे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस, नगर निगम, प्रशासन और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। मृतकों की पहचान तोताराम (38), दो सगी बहनें यशोदा (6) और काव्या (3) के तौर पर हुई है।सभी 6 मकान जो ढहे हैं, वो मिट्टी के टीले पर बने हुए थे। लोगों ने बताया कि यहां बाड़े (खुली भूमि) में जेसीबी से खुदाई चल रही थी। तभी अचानक मिट्टी धसकी और एक के बाद एक सभी मकान मलबे में तब्दील हो गए।

केबल टूटने से बच्ची गंभीर रूप से घायल

परिवार ने उठाये सुरक्षा पर सवाल

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि नागपुर के प्रफुल्ल बिजवे और उनकी पत्नी की बेटी त्रिशा बिजवे हिमाचल प्रदेश के मनाली में ज़िपलाइन करते समय गंभीर रूप से घायल हो गई। वीडियो में दिख रहा है कि जैसे ही त्रिशा ज़िपलाइन पर आगे बढ़ती है, केबल टूट जाती है और वह नीचे गिर जाती है।

एजेंसी

मनाली ,नागपुर में रहने वाले परिवार की छुट्टियां उस समय बुरे सपने में बदल गईं, जब हिमाचल प्रदेश के मनाली में उनकी 10 साल की बेटी ज़िपलाइनिंग राइड के दौरान 30 फीट नीचे गिरने से बुरी तरह घायल हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, त्रिशा के पैर में कई फ्रैक्चर हो गए हैं। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो में दिख रहा है कि नागपुर के प्रफुल्ल बिजवे और उनकी पत्नी की बेटी त्रिशा बिजवे हिमाचल प्रदेश के मनाली में ज़िपलाइन करते समय गंभीर रूप से घायल हो गई। वीडियो में दिख रहा है कि जैसे ही त्रिशा ज़िपलाइन पर आगे बढ़ती है, केबल टूट जाती है और वह नीचे गिर जाती है।परिवार का आरोप है कि घटनास्थल पर पर्याप्त सुरक्षा उपाय मौजूद नहीं थे और दुर्घटना के तुरंत बाद उन्हें कोई तत्काल सहायता भी नहीं मिली।शुरूआती इलाज के लिए त्रिशा को मनाली में चिकित्सा सहायता दी गई, जिसके बाद उसे चंडीगढ़ के एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। वर्तमान में उसका नागपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।बिजवे परिवार ने घटना का यह भयावह वीडियो साझा किया है।

राहुल गांधी को पाकिस्तान और चीन पर भरोसा है, लेकिन देश पर नहीं

गिरिराज सिंह का आरोप

भाजपा नेता ने कहा कि चाहे ऑपरेशन सिंदूर हो या बीबीसी की कोई भी रिपोर्ट, वह हमेशा भारत के खिलाफ बोलते हैं। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने देश के खिलाफ ही बोलने की कसम खा ली है।

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने महाकुंभ में हुई भगदड़ के दौरान हुई मौतों की कथित गलत रिपोर्टिंग को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की थी। सिंह ने गांधी पर बार-बार विदेशी स्रोतों और बयानों पर भरोसा करने का आरोप लगाया, जो उनके अनुसार भारत की छवि को कमजोर करते हैं। गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, राहुल गांधी चीनी दूतावास, पाकिस्तानी दूतावास और बीबीसी की रिपोर्ट पर भरोसा करते हैं, लेकिन उन्हें अपने देश पर भरोसा नहीं है।

अंतिम संस्कार राजकोट में होगा अंतिम संस्कार

पूर्व सीएम विजय रूपाणी का डीएनए मैच

एजेंसी

नयी दिल्ली। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने रविवार को पुष्टि की कि अहमदाबाद में हुए घातक एयर इंडिया विमान हादसे के तीन दिन बाद, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का डीएनए, दुर्घटनास्थल पर मिले उनके अवशेषों से मेल खा गया है। सुबह 11.10 बजे आई डीएनए रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की गई। उनका अंतिम संस्कार राजकोट में होगा। सीएमओ के अधिकारी उनके पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए शहर के सिविल अस्पताल में मौजूद थे। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों को डीएनए मिलान के बारे में सूचित कर दिया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि सीएम भूपेंद्र पटेल पूर्व सीएम विजय रूपाणी के आवास पर गए और उनके परिवार को बताया कि उनका डीएनए मिलान हो गया है। सीएम ने परिवार को यह भी बताया कि राजकोट में अंतिम संस्कार की आगे की कार्यवाही में राज्य सरकार उनका सहयोग करेगी। परिवार के सदस्य तय करेंगे कि वे उनके पार्थिव शरीर को कब अपने कब्जे में लेंगे। रूपाणी गुरुवार दोपहर को एयर इंडिया 171 में सवार 241 लोगों में शामिल थे, जो लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में एक ब्रिटिश नागरिक ही जीवित बचा था। सरकार ने कहा है कि ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है, और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए डेटा की डिकोडिंग की जा रही है। विमान उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो हवाई अड्डे के रनवे से लगभग एक किलोमीटर दूर मेघानीनगर में बीजे मेडिकल कॉलेज परिसर के अंदर एक इमारत से टकराया। टक्कर के कारण आग का गोला बना, जिसने छात्रावास की इमारत को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और जमीन पर कई लोगों की मौत हो गई, जिनमें कुछ एमबीबीएस छात्र भी शामिल थे।

स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा है कि विजय रूपाणी का अंतिम संस्कार राजकोट में किया जाएगा. साथ ही उन्होंने हादसे में मारे गए पीड़ित परिवार के परिजनों से मुलाकात की है. अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में अब तक 270 लोगों ने जान गंवा दी है. विमान में कुल 242 लोग सवार थे, जिनमें 230 यात्री, 10 कू मेंबर्स और दो पायलट थे.

"गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों को डीएनए मिलान के बारे में सूचित कर दिया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि सीएम भूपेंद्र पटेल पूर्व सीएम विजय रूपाणी के आवास पर गए और उनके परिवार को बताया कि उनका डीएनए मिलान हो गया है।

जहरीली शराब से लोग मर रहे हैं लेकिन... पंजाब में केजरीवाल पर बरसीं रेखा गुप्ता

रेखा गुप्ता ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने राज्य सरकार को खोखला कर दिया है... आज आपने (केजरीवाल) अपनी गलत नीतियों के कारण इसे 4 लाख करोड़ के कर्ज तले दबा दिया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। लुधियाना में उपचुनाव के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता वहां प्रचार के लिए पहुंची हैं। रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब से लोग मर रहे हैं लेकिन आप (अरविंद केजरीवाल) क्या कर रहे हैं? आप बिल्डर माफिया के साथ मिलकर गरीब किसानों की जमीन हड़प रहे हैं। दिल्ली की जनता जिसने आपको (अरविंद केजरीवाल) इतना समर्थन दिया था, वो आपसे थोड़ा नाराज हो गई और आप पंजाब में आकर बैठ गए। रेखा गुप्ता ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने राज्य सरकार को खोखला कर दिया है... आज आपने (केजरीवाल) अपनी गलत नीतियों के कारण इसे 4 लाख करोड़ के कर्ज तले दबा दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू लुधियाना पश्चिम उपचुनाव के लिए भाजपा के 40 स्टार प्रचारकों में शामिल हैं।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया बच्चों को हिंसक एवं बीमार बना रहा है

स्मार्टफोन बड़ों ही नहीं, बच्चों के हाथ में आ गया है। जवान और बूढ़े ही नहीं छोटे-छोटे बच्चे तक इसके आदी होते जा रहे हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, गेम्स सब कुछ स्मार्टफोन पर होने की वजह से बच्चों और युवाओं में इसकी आदत अब धीरे-धीरे लत में तब्दील होती जा रही है।सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से बच्चों का बचपन न केवल प्रभावित हो रहा है, बल्कि बीमार, हिंसक एवं आपराधिक भी हो रहा है। यह चिंताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है। यह बच्चों को समय के प्रति, परिवार एव सामाजिक कौशल के प्रति और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया ने बच्चों से बाल-सुलभ क्रीड़ाएं ही नहीं छीनी बल्कि दादी-नानी की कहानियों से भी वंचित कर दिया है। कुछ विशेषज्ञ इस बात से चिंतित हैं कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बच्चे अनैतिक, उग्र, जिद्दी एवं आक्रामक भी हो रहे हैं, जो उन्हें चिंता और अवसाद में धकेल रहे हैं। बच्चें सोशल मीडिया पर वक्त ज्यादा गुजार रहे हैं, ऑनलाइन गेम्स ने बच्चों की दुनिया ही बदल दी है। अब ये आवाज उठने लगी है कि क्यों न बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर देना चाहिए? टेन के हार्परकॉलिन्स और नीलसन आईक्यू की एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में ऐसे ही चिन्ताजक तथ्य सामने आये हैं कि बड़ी संख्या में युवा माता-पिता कहानियों की बजाय डिजिटल मनोरंजन को प्राथमिकता दे रहे हैं। पंचतंत्र से लेकर स्नो व्हाइट पिनोकियो जैसी कहानियां अब शेल्फ पर धूल फांक रही हैं। नये बन रहे समाज एवं परिवार में सोशल मीडिया जहर घोल रहा है।स्मार्टफोन बड़ों ही नहीं, बच्चों के हाथ में आ गया है। जवान और बूढ़े ही नहीं छोटे-छोटे बच्चे तक इसके आदी होते जा रहे हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, गेम्स सब कुछ स्मार्टफोन पर होने की वजह से बच्चों और युवाओं में इसकी आदत अब धीरे-धीरे लत में तब्दील होती जा रही है। सोने के समय बच्चों को कहानियां सुनाना या उनके लिए लोरियां गाना कभी पारिवारिक संस्कृति का अहम हिस्सा हुआ करता था। दादी-नानी हों या माता-पिता की सुनाई गई परीकथाएं बच्चों के लिए नींद से पहले की सबसे प्यारी यादें होती थीं। लेकिन अब सोशल मीडिया के आने से इसके बिना बचपन सूना हो रहा है। बच्चे किताबों और खेलकूद के मैदानों से दूर हो रहे हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी उनकी आंखों के साथ दिमागी सेहत पर भी बुरा असर डाल रही है। इसके अलावा शारीरिक श्रम एवं रचनात्मकता भी कम हो गई है। यह केवल पश्चिमी देशों की ही नहीं, भारत की भी सच्चाई बन चुकी है। जेन जेड यानी 1996 से 2010 के बीच जन्मे युवा माता-पिता अब इस प्यारी परंपरा से मुंह मोड़ रहे हैं।

आज का विचार

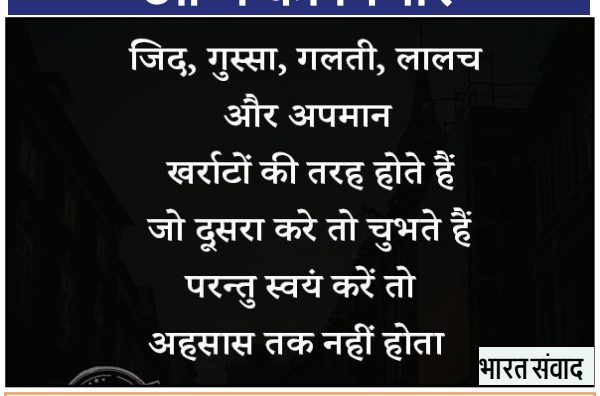

राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा. आज सेहत सम्बन्धी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। व्यायाम और खान-पान पर ध्यान दें. किसी जमीन-जायदाद पर चल रहे मुकदमें का फैसला आज आपके पक्ष में आयेगा. ज्वेलरी का कारोबार कर रहे लोगों को आज रोज की अपेक्षा अधिक लाभ होगा.

वृष राशि: आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा. आपके सारे रुके हुए काम आज पूरे हो सकते है. आज आपके लिए विवाह का प्रपोजल भी आ सकता है, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार स्वरूप कोई उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं.

मिथुन राशि: आपका दिन आपकी माता-पिता की सेवा में व्यतीत होगा. किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है. शाम को बच्चों के साथ अच्छा टाइम बीतेगा. राजनीति से जुड़े लोगों को आज कोई बड़ा पद मिलेगा, जिससे उनकी छवि अच्छी बनेगी.

कर्क राशि: आपका दिन शानदार रहेगा. स्पोर्ट से जुडी महिलाओं के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है, किसी अवार्ड से सम्मानित किया जा सकता है. आमदनी में इजाफा होने से अपने आपको कुछ बेहतर महसूस करेंगे, परिवार का वातावरण शांत बना रहेगा. अपना टाइम आज बच्चों को पढ़ाने में स्पेंड करेंगे, बच्चे खुश नजर आएंगे.

सिंह राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा. काम के प्रति डेडिकेशन होने से आप जल्दी ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे. विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, आज मैथ्स के किसी टॉपिक को अच्छे से क्लियर करेंगे. आपका फ्रेंड आपसे कोई जरुरी सामान की डिमांड कर सकता है.

कन्या राशि : आज आपका मन उत्साहित रहेगा।जॉब कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे है, उनकी सैलरी में इजाफा होगा। मार्केटिंग के बिजनेस से जुड़े लोगों को आज अच्छा ऑफर्स मिलेगा और अधिक से अधिक लाभ होगा।

तुला राशि: आपका दिन काफी बेहतरीन रहने वाला है. बुक सेलर्स के लिए आज का दिन बेहद ही लाभकारी रहेगा, बुक्स की सेल ज्यादा ही होगी। बिजनेस साझेदार के साथ आपके रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी. सेहत के लिहाज से आज आप खुद को फ्रेश महसूस करेंगे.

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा. किसी मित्र का सहयोग मिलेगा, जिससे आप काफी खुश रहेंगे. साथ ही अपने दोस्तों के साथ मिलकर आज आप कोई पार्टी करेंगे. किसी बात को लेकर भाई झ बहन में चली आ रही अनबन आज समाप्त होगी. आप नए काम पर सोच विचार कर सकते है, जिससे आपको खूब तरक्की मिलेगी.

धनु राशि: आपका दिन लाभदायक रहेगा. समाज सेवा कर रहे लोगों को आज स्थानीय लोगों द्वारा सम्मानित किया जायेगा, जिससे उनका हौसला बढ़ेगा. भाई बहन के रिश्ते में आज ज्यादा प्यार बढ़ेगा, मिलकर काम करेंगे. आज बिजनेस में किये गये प्रयास सफल होंगे, बिजनेस काफी तरक्की करेगा.

मकर राशि: आपका दिन बेहतर रहेगा. कामकाज से जुड़ी चुनौती आज आपके सामने आएगी, लेकिन आप इनसे पार पाने में सफल भी होंगे.

कुंभ राशि: आपका मन प्रसन्न रहेगा. ऑफिस के काम में आप बिजी रहेंगे जिससे आपके बॉस आपसे खुश रहेंगे. समाज में किसी मुद्दे को लेकर आप अपनी बात दूसरों के सामने रखेंगे, जिसका प्रभाव लोगों पर साफ दिखेगा. आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी, जिससे जरुरत का सामान खरीदेंगे.

मीन राशि : आपको नया अनुभव मिलने वाला है. आज थोड़ी-सी मेहनत से आपको बड़ा मुनाफा होगा. स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों को आज उनके कोच द्वारा ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसका लाभ उनको खेल के मैदान में मिलेगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भारत-कनाडा रिश्तों में जमी बर्फ पिघली, जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने कनाडा जा रहे हैं। कनाडा द्वारा निमंत्रण में देरी पर कांग्रेस ने कूटनीति को कमजोर बताया था। ट्रूडो के खालिस्तान समर्थकों को खुश करने के रवैये के कारण भारत-कनाडा संबंध बिगड़े थे। नए प्रधानमंत्री कार्नी के नेतृत्व में रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने की उम्मीद है जिससे व्यापार दोगुना हो सकता है।

पा इजरायल और ईरान में जंग के बीच भारतीय प्रधानमंत्री जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने कनाडा पहुंच रहे हैं। उन्हें कनाडा आने का कथित निमंत्रण न मिलने पर कांग्रेस इस नतीजे पर पहुंच गई थी कि भारतीय प्रधानमंत्री को जी-7 सम्मेलन में भाग लेने के लिए न बुलाया जाना मोदी सरकार की कमजोर कूटनीति का प्रमाण है। इसके बाद जब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मोदी को निमंत्रण दे दिया तो कहा गया कि यह देर से दिया गया, लेकिन आखिर देरी को कैसे परिभाषित किया जाएगा? वैसे भारतीय प्रधानमंत्री को जी-7 में भाग लेने के लिए निमंत्रण देने को लेकर कनाडा में भी सवाल उठे। इनका जवाब देते हुए मार्क कार्नी ने कहा था कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के साथ कई आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में है। मार्क कार्नी ने खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में तथाकथित भारतीय एजेंटों का हाथ होने के आरोपों की जांच से जुड़े सवाल पर कहा था कि कानूनी एजेंसिया अपना काम कर रही हैं। यह समझा जाना चाहिए कि मार्क कार्नी का भारत समेत अन्य अनेक मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से अलग रवैया है। इसका प्रमाण यह खबर है कि भारत और कनाडा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए एक-दूसरे से खुफिया जानकारी साझा करेंगे। मार्क कार्नी तब कनाडा के अंतरिम पीएम बने थे, जब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपने रवैये के कारण जस्टिन ट्रूडो की फजीहत

हो गई थी। उनकी ही पार्टी की ओर से उन पर प्रधानमंत्री पद छोड़ने का दबाव था। वह प्रधानमंत्री बने रहते तो लिबरल पार्टी बुरी तरह हारती। कनाडा-भारत संबंध बिगड़ने के लिए जस्टिन ही जिम्मेदार थे। वे अपने कार्यकाल में खालिस्तान समर्थकों को खुश करने में लगे रहे और तब तो ऐसा करना उनकी मजबूरी हो गई थी, जब अपनी अल्पमत सरकार चलाने के लिए वे खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी(एनडीपी) के समर्थन के मोहताज हो गए थे। उन्होंने जगमीत और अन्य खालिस्तान समर्थकों को खुश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आतंकी निज्जर मामले में उन्होंने यह हास्यास्पद बयान दिया था कि उसकी हत्या में भारतीय एजेंटों के हाथ होने के ह्लपुख्ता आरोपह्व मिले हैं। यह पहली बार था, जब किसी शासनाध्यक्ष ने प्रमाण नहीं, बल्कि आरोपों के आधार पर किसी देश को कठघरे में खड़ा किया हो और वह भी ऐसे शख्स की हत्या के मामले में, जो अवैध तरीके से कनाडा पहुंचा था और जिसे भारत में आतंकी करार दिया गया था। इसके बाद कनाडा-भारत संबंध बिगड़ने ही थे औ? वे बिगड़े भी। जस्टिन ट्रूडो की जगह अंतरिम प्रधानमंत्री बने मार्क कार्नी परंपरागत राजनेता नहीं हैं। वह व्यवसायी रहे हैं और भारत से संबंधों समेत अन्य मामलों को अपनी तरह से देखते हैं। इसके संकेत तभी मिल गए थे, जब चुनाव प्रचार के दौरान उनकी सभाओं में खालिस्तानी झंडे नहीं दिखे। जस्टिन न केवल खालिस्तान समर्थकों से घिरे रहते थे, बल्कि उनकी सभाओं में खालिस्तानी झंडे भी लहराते थे। चुनावों में जीत के बाद प्रधानमंत्री बने कार्नी के मंत्रियों में से एक जूनियर मंत्री को छोड़कर अन्य के बारे में नहीं कहा जा सकता कि वह खालिस्तान समर्थकों का साथी है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद को लेकर कुछ सवाल हो सकते हैं, पर उन्हें खालिस्तान समर्थक नहीं कह सकते। मोदी को कनाडा आने का निमंत्रण मिलने के पहले विदेश मंत्री जयशंकर और अनीता आनंद में बात हुई थी। कार्नी की जीत के बाद मोदी ने उन्हें बधाई दी थी। इसी कारण इस कहानी में दम नहीं दिखता कि जी-7 के बाकी देशों ने जब दबाव डाला, तब कार्नी ने मोदी को निमंत्रण दिया। अभी यह नहीं कह सकते कि मोदी की कनाडा यात्रा से दोनों देशों के संबंध बहुत मधुर होने जा रहे हैं, पर इतना अवश्य है कि रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने लगी है। यह भविष्य बताएगा कि वह कितनी पिघलती है? यदि कनाडा को भारत की जरूरत है तो उसे भी भारत की। यह कह सकते हैं कि कनाडा को भारत की ज्यादा जरूरत है, पर भारत को ऊर्जा सुरक्षा का जो स्रोत और अपने तकनीकी विकास के लिए जो दुर्लभ खनिज चाहिए, वे उसे कनाडा से आसानी से मिल सकते हैं। यदि दोनों देशों के रिश्ते पटरी पर आते हैं तो मौजूदा व्यापार दोगुना यानी 20 अरब डालर तक पहुंच सकता है। कनाडा में भारतीय मूल के लोगों की आबादी कुल आबादी का करीब आठ प्रतिशत है। यह सही है कि यहां खालिस्तान समर्थक सक्रिय हैं, लेकिन वे उनकी संख्या ज्यादा नहीं हैं। उनकी राजनीतिक सक्रियता का कारण उनकी ओर से कनाडा के राजनीतिक सिस्टम का जमकर दुरुपयोग किया जाना है। इसी कारण वे राजनीतिक दलों को प्रभावित करने में सफल हो जाते हैं। इस बार भारतीय मूल के कहीं अधिक सांसद चुनाव जीते हैं, लेकिन भारत के लिहाज से अच्छी बात यह रही कि एनडीपी का खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह खुद चुनाव हार गया। वह एनडीपी का प्रमुख था। एनडीपी का वोट प्रतिशत भी 17.8 से गिरकर 6.3 पर आ गया। चूंकि एनडीपी न्यूनतम 12 सीटें भी नहीं जीत सकी, इसलिए उसने अपना आधिकारिक दर्जा भी गंवा दिया। इसी कारण जगमीत को पार्टी प्रमुख से हटना पड़ा। मार्क कार्नी बहुमत से थोड़ा ही पीछेहैं, इसलिए उन्हें एनडीपी के सात सांसदों की जरूरत नहीं। यह भी महत्वपूर्ण है कि कनाडा में सत्ताधारी दल की दिशा प्रधानमंत्री के रुख-रवैये से तय होती है और उसका अपने दल पर दबदबा होता है। फिर से सत्ता में आई लिबरल पार्टी में वही होगा, जैसा प्रधानमंत्री मार्क कार्नी चाहेंगे। मोदी को कनाडा आने का निमंत्रण मिलने के बाद से खालिस्तान समर्थक छोटे-बड़े और गुमनाम से संगठन पगलाए हुए हैं। वे धरना-प्रदर्शन करने में जुट गए हैं। मोदी के कनाडा आगमन पर खालिस्तान समर्थकों को काबू में रखने के लिए कनाडा सरकार को सतर्क रहना होगा, लेकिन भारत के लिए भी यह जरूरी है कि वह अपनी कनाडा नीति को परिभाषित करे। मेरे लिए भारत सरकार की कनाडा नीति समझना कठिन है? मैं यह भी चाहूंगा कि कनाडा के मामलों में विदेश मंत्रालय के कामकाज की समीक्षा हो।

इजरायल-ईरान युद्ध : वैश्विक-युद्ध का नया त्रिकोण? इजरायल ईरान और अमेरिका

संजीव ठाकुर

अब अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में नया और खतरनाक मोड़ ले लिया है नए संदर्भ में इजरायल ईरान और अमेरिका की भूमिका काफी खतरनाक और संदिग्ध हो गई है युद्ध का जुनून ईरान द्वारा परमाणु ईंधन यूरेनियम के भंडारण तथा उपयोग को लेकर अमेरिका तथा इसराइल के सिर पर चढ़कर बोलने लगा है ह्न 13 जून को इजराइल का ईरान पर बड़ा हमला दोनों शत्रुओं के बीच कई दशकों पुरानी दुश्मनी का नतीजा है। इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनाहु काफी लंबे समय से ईरान को अपना सबसे बड़ा दुश्मन और खतरा बताते आ रहे हैं। इसराइल ने ईरान पर हमले की योजना इसराइल हमास युद्ध के दौरान बना ली थी और इस हमले के नेपथ्य में इसराइल के विरुद्ध छद्म युद्ध रहा है। ईरान ने यमन में हूती विद्रोहियों और लेबनान में हिजबुल्ला को व्यापक समर्थन देकर इसराइल के लिए सुरक्षा के कई खतरे पर सवाल खड़े कर दिए थे। यह उग्रवादी अक्सर इजरायल में तोड़फोड़ हत्या और अनेकों आक्रमण में शामिल रहे हैं। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के तुरंत बाद से ही अमेरिका और इसराइल को अपना सबसे बड़ा तथा मुख्य विरोधी तथा दुश्मन मानता रहा है तभी से यह त्रिकोणीय संघर्ष और तनाव ताजा हमलो के रूप में सामने आया है। इसराइल और अमेरिका ने लगातार दो दशकों से कई बार ईरान पर परमाणु हथियार विकसित करने तथा इसे इसराइल तथा अमेरिका के विरुद्ध इस्तेमाल करने की धमकी के रूप में आरोप लगाया है। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल की ईरान से दुश्मनी काफी पुराने समय से पकती रही है जिसके फल स्वरुप इजरायल ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए जिससे सेना उप प्रमुख समेत ईरानी फौज के बीस महत्वपूर्ण कमांडर मारे गए हैं इसके अलावा ईरान के 6 परमाणु वैज्ञानिक भी मौत के घाट उतार दिए गए। इसराइल ने ऑपरेशन लॉयन के तहत 200 लड़ाकू विमान से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को तबाह किया है जिसका बहुत बड़ा कारण ईरान के सुप्रीम नेता खोमनई द्वारा इसराइल को कड़ी सजा देने की चेतावनी बताया गया है। वैसे अब इसराइल के इस बड़े हमले से पश्चिम एशिया में दो कट्टर दुश्मनों के बीच व्यापक तथा भयानक युद्ध की आशंका बढ़ गई है। ईरान ने इस हमले के जवाब में सो बमवर्षक ड्रोन इसराइल पर दागे थे जिसे इजरायल फौजों ने नाकाम भी कर दिया है। यरूसलम की समाचार एजेंसी के अनुसार इसराइल के ईरानी हमले पर ईरान के तीन शीर्ष फौजी के कमांडर मारे गए हैं इसमें ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी, और महत्वपूर्ण तथा शक्तिशाली अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी तथा ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली की मौत हो चुकी है। इसके अलावा ईरानी सुरक्षा बलों के 17 प्रमुख एवं वरिष्ठ कमांडर भी मारे गए हैं। यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि ईरान इजरायल के ईरान पर हमले से वरिष्ठ वैज्ञानिकों के मरने से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को एक बहुत बड़ा झटका लगा है इन वैज्ञानिकों की मौत से परमाणु बम बनाने के ईरानी सपनों की भी मौत हो गई है। ईरानी के सर्वोच्च नेता राष्ट्रपति अयातुल्लाह अली खामनेई ने कहा कि दुश्मन को बहुत पछताना पड़ेगा उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि इसराइल ने ईरान में हमले करके जो अपराध कर अपना खूनी हाथ दिखाया है उसके लिए उसे बहुत पछताना पड़ेगा इसराइल को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी हम अब चुप नहीं बैठेंगे और इसराइल इस ईरान के बदले को सदियों तक याद रखेगा। अंतर्राष्ट्रीय रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इसराइल और ईरान की लड़ाई परमाणु ईंधन यूरेनियम के ईरान द्वारा जमा किए जाने पर हुई है इसराइल के प्रधानमंत्री ने कहा है कि ईरान को किसी भी कीमत पर जमा किए गए यूरेनियम से परमाणु बम बनाने नहीं दिया जाएगा यह इजरायल की पीढ़ियों के लिए खतरा बन गया है और जब तक ईरान इस बात से सहमत नहीं होगा कि वह परमाणु बम नहीं बनाएगा यह ऑपरेशन राइजिंग लायन जारी रहेगा। इधर इजराइल में आपातकाल घोषित कर दिया गया तथा इसराइल ने दुनिया भर में अपने सभी दूतावासों को बंद कर दिया है उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि ईरान इजरायल के आवासीय परिसरों में हमला कर सकता है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने इसराइल के पक्ष में अजीबो-गरीब बयान दिया है उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए समझाया है कि समझौते के लिए अभी भी सही समय है नहीं तो परिणामतः इसराइल के हमले और तेज तथा बदतर होंगे। उन्होंने आगे कहा कि जिन ईरानी नेताओं ने बढ़ चढ़कर बहादुरी दिखाई थी वे सब इजरायल के हमले से मारे गए अभी भी समय है संभल जाओ। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों से सबसे अलग डोनाल्ड ट्रंप ऐसा प्रतीत होता है कि अपनी व्यापारिक नीति और युद्ध नीति को अभी तक निर्धारित नहीं कर पाए हैं। भारत-पाक युद्ध में भी अमेरिका क रवैया काफी अपरिपक्व ही रहा है और ताजा समाचारों के अनुसार अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताया है और पाकिस्तान के सोकॉल्ड फील्ड मार्शल असीम मुनीर के जन्मदिन पर उन्हें अमेरिका आमंत्रित किया है। ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी बढ़ती उम्र के साथ मानसिक संतुलन भी होते जा रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल ईरान युद्ध में अमेरिका की संदेहास्प भूमिका के कारण नए विश्व युद्ध का त्रिकोण तैयार हो रहा है इसराइल के प्रधानमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जानकारी दी है जिसमें भारत के प्रधानमंत्री ने कहा कि इसराइल और ईरान को तनाव बढ़ाने वाले किसी भी काम से बचना चाहिए वार्ता का रास्ता अपनाना चाहिए भारत के दोनों देशों से महत्वपूर्ण संबंध है और भारत सदैव मदद के लिए तैयार है। भारत के नागरिक दोनों देशों में निवासरत हैं उन्हें भारत ने सावधान रहने की सलाह दी है।इजरायल ईरान के हालिया युद्ध के पर्यावरण में यदि अन्य देशों की आवाजाही बनती है तो विश्व युद्ध होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

बेटियों की जगह

विजय गर्ग

बहुत मुश्किल से और लंबे वक्त में समाज में धारणाएं बदल पाती हैं। अब समाज के एक बड़े हिस्से में यह कहा जाने लगा है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। परिवार में बेटा ही पैदा हो, यह पुरानी सोच मानी जाने लगी है। हालांकि बेटियां होने पर ससुराल पक्ष की ओर से महिलाओं को प्रताड़ित किए जाने के मामले भी सामने आते रहे हैं । कई बार यह बात अतिरिक्त जोर देकर कही जाती है कि बेटा हो या बेटी, एक ही बात होती है। अब तो बेटियां बेटों से बढ़ कर हैं । परवरिश और पढ़ाई से वे न केवल बेहतर इंसान साबित होती हैं, बल्कि अनेक क्षेत्रों वे अपनी प्रतिभा का परचम भी लहराती हैं। यह भी सच है कि बेटियां भावनात्मक और शारीरिक रूप से भी अभिभावकों का बेहतर खयाल रखती हैं। कई मामलों में, चाहे वह पारिवारिक हो या व्यावसायिक, सलाह-मशविरे में बेटियां बेहतर भूमिका निभाती रही हैं । विकसित समाज में इसे अब सहजता से कबूल किया जाता है। लड़की का पैदा होना पहले की तरह अब उतना बुरा नहीं माना जाता, लेकिन लड़का पैदा होने का आकर्षण अभी कम नहीं हुआ है। बेटी के जन्म पर अनपढ़ ही नहीं, बल्कि कई पढ़े-लिखे लोगों के चेहरे भी लटक जाते हैं। दुनिया में आकर बेटियां बहुत कुछ सहती हैं। आजकल कुछ नवदंपति तो बच्चे ही पैदा नहीं करना चाहते, लेकिन ऐसे अभिभावक भी हैं, जो पुत्र हासिल करने के लिए कई पुत्रियों का जन्म सह लेते हैं। इस मामले में कुछ दिन बाद एक घटना और जुड़ जाती है । व्यवहार के दलदल में उतर कर समझा जाए, तो पता चलता है कि लड़का होना आज भी बहुत-सी पारिवारिक और सामाजिक सुविधाओं पर वरदहस्त प्राप्त करने जैसा है।हमारी पारिवारिक, पारंपरिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, और राजनीतिक तल्खियां भी दिन-रात यही साबित करती हैं। कई बार यह लगता है कि लड़का और लड़की को समान मानने में अभी काफी वक्त लगने वाला है। यह सच भी है । हमारे समाज में शास्त्रों और संस्कृति की लकीर पर फकीर बन कर चलने की बात भी की जाती है, जहां आमतौर पर पुत्र की ही बात होती रही है ।एक समय में राजाओं के यहां पुत्र पैदा नहीं होते थे, तो कुल गुरुओं से पूजा, हवन और यज्ञ करवाए जाते थे। हालांकि, उन पुत्र रत्नों का विवाह कन्याओं से ही होता था, ताकि नए पुत्र रत्न भी पैदा हों। फिर बेटियों का विरोध क्यों ?

आधुनिक दौर का चरम विकास भी बहुत से मामलों में चतुर इंसान की सोच में उचित बदलाव नहीं ला पाया है।

हैरानी इस बात की है कि जापान जैसे विकसित देश में भी ऐसा है। ओलंपिक में खूब सारे पदक जीतने वाले देश की पारंपरिक सोच में बदलाव नहीं दिखता है । उनकी पारंपरिक संस्कृति वैसी की वैसी रही। दिलचस्प यह है कि अगर वहां बच्चा गोद लेना हो, तो अधिकांश जापानी पुत्र मोह में फंसे रहते हैं। इसीलिए समाज में वयस्क लड़के गोद लिए जाने का रुझान है। आमतौर पर लड़कियों को तरजीह नहीं दी जाती है। कारोबार संभालने के लिए लड़कियां नहीं, लड़कों को प्राथमिकता दी जाती रही है ।इसका मतलब यह नहीं लेना चाहिए कि दुनिया में पैतृक मानसिकता की शान बढ़ाने का कोई बोलबाला है। यह बात काफी रूढ़िवादी लग सकती है, लेकिन कहीं यह सच्चाई तो नहीं कि कुदरत ने भी शारीरिक रूप से पुरुष को औरत से ज्यादा ताकतवर, आक्रामक और निर्णय लेने में ज्यादा व्यावहारिक बनाया है। बहुत से परिवारों के आंतरिक प्रबंधन में पुरुषों का वर्चस्व कायम है। पिछले दिनों अमेरिका से एक नजदीकी महिला रिश्तेदार का फोन आया, जिन्होंने बताया कि उनके बेटे के यहां बेटी हुई है। फोन सुनने वाली महिला ने बधाई देते हुए कहा कि आपने पहले नहीं बताया, वहां तो बच्चे की लैंगिक पहचान के बारे में पहले ही बता देते हैं। सवाल उठा कि विदेश में तो लड़की के पैदा होने का बुरा नहीं मानते, लेकिन चाहे जो हो जाए

महापौर द्वारा दीप प्रज्वलन कर योग सप्ताह का किया गया शुभारंभ

- 500 से अधिक लोगों ने उपस्थित रहकर किया योगाभ्यास
- मुख्य कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को संगम नोज पर

भारत संवाद

आज दिनांक 15.06.2025 को योग सप्ताह का शुभारंभ महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी के करकमलों से दीप प्रज्जवलन करके अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद उद्यान में हुआ। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक, आयुष विभाग डॉ एच.के. मिश्रा, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी, उद्यान अधीक्षक, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा आयुष विभाग के समस्त चिकित्सा अधिकारी फार्मासिस्ट योग प्रशिक्षक सहित 500 से अधिक लोग योगाभ्यास हेतु उपस्थित रहे ।कार्यक्रम में सामान्य योग प्रोटोकॉल अनुसार योगाभ्यास किया गया। कार्यक्रम पूरे सप्ताह नियमित रूप से चलता रहेगा एवं 21 जून को मुख्य कार्यक्रम 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस त्रिवेणी संगम नोज पर आयोजित होगा।

आकाशीय बिजली गिरने से चार की मौत

पति-पत्नी और दो मासूम बेटियां जिंदा जलीं, कच्चे मकान में सो रहे थे सभी

भारत संवाद

प्रयागराज , एक कच्चे मकान में आकाशीय बिजली गिर गई। आग लगने से घर में सो रहीं दो मासूम बेटियों समेत पति-पत्नी की जिंदा जलने से मौत हो गई। शनिवार रात करीब 12 बजे तेज आंधी आई। इसी बीच बादल गरजने के साथ मकान में आकाशीय बिजली गिर गई।इससे झोपड़ी में आग लग गई।पड़ोसियों ने आग बुझाने की कोशिश की। मगर तब तक सभी की मौत हो चुकी थी।वह कंकाल बन चुके थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रशासन ने परिवार को मकान और दैवीय आपदा के तहत धनराशि देने का आश्वासन दिया है। घटना बारा थाना क्षेत्र की हैबेटियां मां के साथ पिता अकेले सो रहे थे बारा तहसील के हल्लाबोर सोनबरसा निवासी वीरेंद्र वनवासी अपनी पत्नी पार्वती और दो बेटियों राधा (6) व करिश्मा (4) के साथ कच्चे मकान में रहते थे। उनके मकान पर फूस का छप्पर पड़ा हुआ था। सभी लोग इसी के नीचे सो रहे थे।शनिवार शाम मौसम बदला तो तेज हवा चलने लगी।रात करीब 12 बजे वीरेंद्र के कच्चे मकान पर आकाशीय बिजली गिर गई।बिजली गिरते ही छप्पर में आग लग गई। देखते-देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वीरेंद्र और उनका परिवार आग की लपटों के बीच घिर गया।वह बाहर नहीं निकल सके। ग्रामीणों ने जब तक आग बुझाई, तब तक सभी लोगों की जिंदा जलने से मौत हो चुकी थी।दोनों मासूम बेटियां मां के साथ चारपाई पर सो रहीं थीं। जबकि वीरेंद्र पास में ही अलग चारपाई पर लेटे हुए थे। ग्रामीणों की सूचना पर बारा पुलिस, एसडीएम करछना, तहसीलदार और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मां-पिता और दोनों बेटियों के कंकाल को समेटा। फिर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्रशासन ने पीड़ित परिवार के रिश्तेदारों को सहायता राशि देने का आश्वासन दिया है। वहीं शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।दो बेटियां वीरेंद्र की मां के साथ अलग मकान में थीं मां छोटी ने बताया कि बताया कि मेरा वीरेंद्र बेटा शादी ब्याह में उपयोग होने वाले पत्तल बनाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। वीरेंद्र की चार बेटियां हैं। बताया कि शनिवार रात को वीरेंद्र की दोनों बड़ी बेटियां सोन कुमारी (10) और आंचल (8) मेरे साथ अलग मकान में सो रही थीं।जबकि दोनों छोटी बेटियां बेटे और बहू के साथ सो रही थीं।बताया कि जब आग लगी तो मेरी नींद खुल गई। मैंने शोर मचाया तो बस्ती के लोग आ गए। बस्ती से 30 मीटर की दूरी पर हैंडपंप है। लोग दौड़कर बाल्टी ले आए। हैंडपंप से बाल्टियों और डिब्बों में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास करते रहे।जब तक बस्ती के लोग आज को बुझ पाते, तब तक पूरी झोपड़ी और अंदर सो रहे मेरा बेटा वीरेंद्र और उसका परिवार जल गया।

फास्ट ट्रैक

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चिल्ह पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः15.06.2025 को उप-निरीक्षक मनोज कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी शंकर बिन्द पुत्र स्व0मुन्नर बिन्द निवासी चन्देल डडिया थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना डूमण्डगंज पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना डूमण्डगंज पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः15.06.2025 को उप-निरीक्षक त्रिलोचन प्रताप सिंह मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी गोपालदास पुत्र अंगनू निवासी महुगढ़ी थाना डूमण्डगंज जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना जिगना पुलिस द्वारा मोटर साइकिलों की चोरी एवं बिक्री करने वाले गैंग से सम्बन्धित अन्तर्जनपदीय 02 शातिर चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की 02 अदद मोटर साइकिल बरामद

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा वाहनों की चोरी एवं बिक्री की घटनाओं में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी/वाहनों की बरामदगी सहित प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः14.06.2025 को उप निरीक्षक राजेश कुमार पाण्डेय, रामबचन यादव व अवधेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर सघन वाहन चेकिंग कर थाना जिगना क्षेत्रान्तर्गत कुशहां नहर चौराहा के पास से 02 अन्तर्जनपदीय वाहन चोरों 1.महताब अली पुत्र रहमानी निवासी बेलहुआ मेजा रोड थाना मेजा जनपद प्रयागराज व 2.दीपक कुमार विश्वकर्मा पुत्र स्व0 रामलल्लन विश्वकर्मा निवासी खानपुर थाना मेजा जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया तथा मौके से चोरी की 02 अदद मोटरसाइकिलें (हीरो पैशन प्रो व सुपर स्प्लेण्डर बिना नम्बर प्लेट) बरामद की गयी । गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि उनका एक तीन सदस्यीय गैंग है जो वाहनों की चोरी कर नम्बर प्लेट हटाकर चोरी के वाहनों की बिक्री कर प्राप्त धनराशि को आपस में बांट लेते है ।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा धोखाधड़ी एवं गैर इरादतन हत्या के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना विन्ध्याचल, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः26.11.2024 को वादिनी चन्दा देवी पत्नी उमाशंकर निवासिनी छोटकी महुअरिया थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी के पति के इलाज के नाम पर धोखाधड़ी कर पैसे लेने एवं लापरवाही पूर्वक इलाज करने, जिससे वादिनी के पति की तबियत अत्यधिक बिगड़ने पर इलाज के दौरान मृत्यु हो जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल मु0अ0सं0-229/2024 धारा 304ए भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष विन्ध्याचल को अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं ।

आयुष मंत्री ने 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह का किया शुभारंभ

योग को अपने दिनचर्या में करें शामिल : डॉ०दयाशंकर मिश्रा दयालु

- थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग है
- सभी के लिए योग है बेहद जरूरी

भारत संवाद

लखनऊ ,उत्तर प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन (एम ओ एस) डॉ० दयाशंकर मिश्र ₹दयालु₹ ने आज राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ के ऑडिटोरियम में दीप प्रज्वलित कर 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत ₹योग सप्ताह₹ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से 11 वर्ष पूर्व भारत के विरासत, सनातन विद्या योग को जन-जन का हिस्सा बनाया गया। प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से 21 जून 2014 को यू एन ने विश्व योग दिवस द्वारा घोषित किया।

श्री दयालु ने कहा कि भारत न केवल विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, बल्कि साथ ही साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को भी बेहतर ढंग से सहेज रहा है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की जड़ें वेदों से निकलती हैं, और आयुर्वेद में हर रोग का उपचार बिना किसी साइड इफेक्ट के किया जा सकता है। अष्टांग योग के प्रणेता महर्षि पतंजलि एवं उनके गुरु पाणिनि का जन्मस्थली उत्तर प्रदेश हैं। आज पूरा विश्व योग को अपना रहा है एवं योग के माध्यम से अपने को स्वस्थ रख रहा है। श्री दयालु ने कहा कि आज विश्व के 177 से अधिक देशों में योग का आयोजन प्रतिवर्ष किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि खेलों के बाद योग ही ऐसी विधा है जिससे इतनी अधिक संख्या में देश एक दिन एक साथ एक मंच पर उपस्थित होते हैं। गत वर्ष एक करोड़ से अधिक लोगों ने 21 जून को योग का अभ्यास किया था। इस वर्ष नया प्रतिमान स्थापित किया जाएगा।उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि स्वयं को योग से तो जोड़े ही, साथ ही साथ परिवार, गांव, मोहल्ला को भी योग से जोड़ने के लिए प्रयास करें। योग को केवल एक दिन का कार्य न समझ कर इसे अपने दिनचर्या में शामिल करने का भी आग्रह उन्होंने किया।

श्री दयालु ने कहा कि स्कूलों, महाविद्यालयों ,ग्राम पंचायतों अमृत सरोवरों के किनारे और अस्पताल परिसर सब जगह योग का अभ्यास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस वर्ष एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग का थीम रखा गया है। सभी योग करे, सबको प्रेरित करने के लिए ही प्रतिवर्ष थीम रखी जाती है।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने दशहरी आम का कन्साइनमेंट दुबई के लिए किया रवाना

प्रदेश के आम की खुशबू अब विदेशों तक पहुंची, एफपीओ ने रचा नया इतिहास

- उत्तर प्रदेश के एफपीओ को पहली बार मिला सीधा निर्यात ऑर्डर
- किसानों के साथ मिलकर आम के उत्पादन को बढ़ावा दे रही सरकार

भारत संवाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मलिहाबाद का आम देश और दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। मलिहाबाद का आम सिर्फ हिंदुस्तान ही नहीं बल्कि दुनिया के अलग-अलग कोनों तक निर्यात किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में कृषि निर्यात को नई उँचाई मिली है। उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने रहमान खेड़ा पहुंचकर मैंगो पैक हाउस से आम की पहली खेप 1200 किलोग्राम का कन्साइनमेंट को हरी झण्डी दिखाकर दुबई के लिए रवाना की। यह आम का कन्साइनमेंट वायु मार्ग से लखनऊ से दुबई भेजा गया। आयातक कंपनी वीग्रो ट्रेडिंग एलएलसी, दुबई, यूएई है। आज भेजे गये कन्साइनमेन्ट का कुल मूल्य 2992 अमेरिकी डॉलर है। ऐसा ही एक अन्य 2992 अमेरिकी डॉलर मूल्य का 1200 किलोग्राम कन्साइनमेन्ट कल भी दुबई भेजा गया था। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि आम के निर्यात से केंद्र और राज्य सरकार की पहचान विदेशों तक बन रही है। सरकार का प्रयास है कि किसानों की फसलों के साथ उनकी आमदनी को भी बढ़ाया जाए। सरकार द्वारा किसानों की उन्नति के लिए निरन्तर प्रयासरत है उसी का परिणाम है कि आज उन्नत किस्म की खेती की पहचान देखने को मिल रही है। केवल आम ही नहीं अलग-अलग किस्म के कृषि से जुड़े आयामों को सरकार तलाश कर किसानों के उत्थान की ओर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा सरकार का लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश के आम उत्पादक किसान वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाएं। सरकार किसानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादन, पैकेजिंग एवं निर्यात में हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है।उद्यान मंत्री ने कहा कि इन्डो-जर्मन एएमडी प्रोजेक्ट के अंतर्गत लखनऊ क्षेत्र से चयनित 3 एफपीओ को कृषि निर्यात का प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता का विकास किया गया।

नाजरेथ अस्पताल में निशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन

भारत संवाद प्रयागराज।

विश्व रक्तदाता दिवस 2025 के अवसर पर, नाजरेथ अस्पताल, इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सहयोग से, दिनांक 16 जून 2025 (सोमवार) को प्रातः 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक अस्पताल परिसर में एक निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन कर रहा है।

रक्तदाता हेतु जानकारीः

इच्छुक व्यक्ति WhatsApp नंबर 9453629429 पर पूर्व पंजीकरण कर सकते हैं।

कृपया अपने साथ आधार कार्ड की एक प्रति (हार्डकॉपी या सॉफ्टकॉपी) अवश्य लाएं।

सादर,

(रेव. फ्र. विपिन डिसूजा)

निदेशक, नाजरेथ अस्पताल

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः15.06.2025 को उप-निरीक्षक रामचन्द्र राम मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी आनन्द कुमार बिन्द पुत्र मिठाई लाल निवासी मड़गुड़ा थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

समाज और राष्ट्र के निर्माण में पत्रकारिता की विशिष्ट भूमिकाः मनोज कांत

आज पत्रकारिता के विभिन्न आयामों की अलग अलग उपयोगिताः जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी

- पत्र, पत्रिका एवं पत्रकार समाज के दर्पणः एसपी डा. अनिल कुमार
- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता की भूमिका विषयक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

भारत संवाद

प्रतापगढ़। शनिवार की देरशाम नगर के मीरा भवन चौराहा स्थित लीला पैलेस में सामाजिक एवं संवैधानिक जागरूकता समिति एवं सत्प्रेरणा के तत्वावधान में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता की भूमिका विषय पर एक संगोष्ठी और पत्रकार अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सह क्षेत्र प्रचार प्रमुख और राष्ट्र धर्म पत्रिका के निदेशक मनोजकांत, मुख्य अतिथि जिला अधिकारी शिव सहाय अवस्थी, अति विशिष्ट अतिथि विभाग प्रचारक ओम प्रकाश, पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार, विशिष्ट अतिथि केकेसी डिग्री कॉलेज लखनऊ के प्रोफेसर गिरिजेश त्रिपाठी, पट्टी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अखिलेश पांडेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार श्यामलाल मिश्र ने किया। कार्यक्रम का आयोजन सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, नई दिल्ली बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय और संयोजन सत्प्रेरणा के प्रबंधक डॉ. सौरभ पांडेय ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता मनोजकांत ने कहा कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में पत्रकारिता की विशिष्ट भूमिका है। सकारात्मक और सृजनशील पत्रकारिता के आधार पर पूरे विश्व में भारतवर्ष को विशिष्ट स्थान दिलाने में पत्रकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। उन्होंने पत्रकार बंधुओ से पंच परिवर्तन विषय जिसमें प्रमुख रूप से कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य सम्मिलित है, की दिशा में विशेष कार्य करने का आवाहन किया। कहाकि पंच परिवर्तन के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा सकते हैं। आज की वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण संरक्षण और परिवार संरक्षण में मीडिया की भूमिका बढ़ जाती है। एक तरफ जहां अनेक प्रकार की विषम परिस्थितियों दिखाई पड़ती हैं वहीं दूसरी ओर उनका समाधान भी कहीं न कहीं समाज के प्रबुद्ध पत्रकारों के माध्यम से ही आता है। वास्तव में पत्रकार सृजनशील होता है और समाज को दिशा देने का कार्य करता है। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने कहा कि आज पत्रकारिता के विभिन्न आयामों की अलग-अलग उपयोगिता है।

समर्पित

संयोजक, आचार्य सुशील जन्म शताब्दी महोत्सव श्री सत्य भूषण जैन जी ने सभी अतिथियों का किया अभिनन्दन

आचार्य सुशील कुमार जी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव पर्यावरण वर्ष के रूप में समर्पित

- गुरू कभी जाते नहीं वे सदैव हमारे भीतर ही रहते हैं : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

नई दिल्ली। डा. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित आचार्य सुशील जी महाराज की जन्म शताब्दी महोत्सव का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन आज देश की प्रतिष्ठित आध्यात्मिक, सामाजिक और राजनीतिक विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह महोत्सव विशेष रूप से पर्यावरण वर्ष के रूप में समर्पित किया गया, जिससे यह आयोजन एक पुण्य स्मृति के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का सशक्त माध्यम भी है। इस अवसर पर भारत के 14वें राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले जी, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष श्री आलोक कुमार जी, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन श्री किशोर माकवाना जी, और अन्य अनेक गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। महोत्सव के संयोजक श्री सत्य भूषण जैन जी ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए बताया कि यह शताब्दी समारोह केवल स्मरण का अवसर नहीं है, बल्कि आचार्य सुशील जी महाराज के मूल्यों और शिक्षाओं को आत्मसात कर उन्हें आधुनिक युग के संदर्भ में पुनर्परिभाषित करने का दिव्य प्रयास भी है। आचार्य सुशील जी महाराज एक युगपुरुष, एक पर्यावरण संत थे। आचार्य सुशील जी महाराज एक ऐसे युगद्रष्टा थे, जिन्होंने न केवल अहिंसा और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, वैश्विक शांति, सर्वधर्म समभाव और मानवीय एकता जैसे विषयों को अपने जीवन का आधार बनाया। उनका मानना था कि जब तक हम अपनी आत्मा के प्रति सजग नहीं होंगे, तब तक पृथ्वी के प्रति सजग नहीं हो सकते। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने इस अवसर पर कहा, आचार्य श्री केवल जैन समाज के नहीं, पूरे मानव समाज के आध्यात्मिक धरोहर हैं। उन्होंने धर्म को केवल पूजा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे पर्यावरण की सेवा, सामाजिक समरसता और विश्व शांति का आधार बनाया। उनका जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए दिशा और दर्शन दोनों है। जन्म शताब्दी को पर्यावरण वर्ष के रूप में मनाना एक सामयिक और दूरदर्शी प्रयास है, जो वर्तमान पीढ़ी के जीवन को प्रकृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। आज जब दुनिया ग्लोबल वॉर्मिंग, जलवायु परिवर्तन, और सामाजिक विषमताओं से जूझ रही है, ऐसे समय में आचार्य सुशील जी का जीवन हमें बताता है कि अहिंसा केवल हिंसा से दूर रहना नहीं, बल्कि प्रकृति और समस्त जीवन के प्रति करुणा और संवेदना का व्यवहार करना भी है। श्री रामनाथ कोविंद जी ने भी अपने संबोधन में आचार्य श्री की शिक्षाओं को भारत की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया और कहा कि युवा वर्ग को उनके सिद्धांतों से जुड़ना चाहिए। श्री दत्तात्रेय होसबाले जी ने कहा कि आचार्य सुशील जी महाराज ने जिस तरह से धर्म को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ा, वह आज के हर नागरिक के लिए एक प्रेरणास्रोत है। जन्म शताब्दियां केवल भूतकाल की स्मृतियाँ नहीं होतीं, वे भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करती हैं। आचार्य सुशील जी महाराज की स्मृति को पर्यावरण वर्ष से जोड़ना उनके विचारों की जीवंतता का प्रमाण है। आचार्य श्री सुशील जी महाराज के प्रति हम सभी की सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि हम जीवन को अहिंसा, पर्यावरण सेवा और मानवीय करुणा के मूल्यों से जोड़ें। यही आचार्य सुशील जी महाराज का संदेश है, और यही भारत की आत्मा की पुकार भी है।

प्रेम विवाह के 8 माह बाद पत्नी ने दी जान

प्रयागराज में महिला ने घर में लगाया फंदा, पुलिस जांच में जुटी

भारत संवाद

प्रयागराज, मेजा थाना क्षेत्र के भटौती गांव में एक विवाहिता ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका अंजली ने आठ महीने पहले राजेश से प्रेम विवाह किया था।

घटना उस समय हुई जब राजेश अपनी बहन पूजा को भीरपुर स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले गए थे।

दोपहर करीब 12 बजे अंजली ने घर में गार्डर पर रखी पाइप में फंदा लगाकर जान दे दी।

परिजनों को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत राजेश को सूचित किया। ग्रामीणों के अनुसार, राजेश और अंजली एक ही गांव के रहने वाले थे। दोनों ने परिवार की असहमति के बावजूद शादी की थी। मेजा थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगामी 21 जून, 2025 को आयोजित होने वाले ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में योग सप्ताह (15 जून, 2025 से 21 जून, 2025 तक) का पर्यावरण पार्क में हुआ शुभारम्भ

भारत संवाद

सुलतानपुर ,मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा से आगामी 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2025) के उपलक्ष्य में योग सप्ताह का शुभारंभ आज प्रातः 6:00 बजे पर्यावरण पार्क में भव्य रूप से किया गया। उक्त शुभारम्भ कार्यक्रम का मा. अध्यक्ष नगर पालिका प्रवीण अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर मा. भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक , जिला विकास अधिकारी, रेड क्रॉस सोसाइटी चेयरमैन डॉ. डी.एस. मिश्रा जी, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश पांडेय, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. सीताशरण त्रिपाठी, जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेंद्र गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला सूचना अधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा बल्लभ की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर सुनील तिवारी द्वारा योग दिवस प्रोटोकॉल के तहत योगासन, प्राणायाम, मुद्रा, ध्यान एवं वैकल्पिक चिकित्सा का अभ्यास कराया गया एवं 21 जून को अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में आयुष विभाग से क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक तथा योगाचार्य सहित जनपद के कई योग साधक, आयुष कर्मी व योग प्रेमी उपस्थित रहे।

मानसून की पहली बारिश, जमकर बरसें मेघा मौसम हुआ सुहाना

कई कालोनियों में जलभराव की स्थिति, नगर निगम के विकास कार्यों की खुली पोल

भारत संवाद

सहारनपुर। रविवार की सुबह मानसून की पहली बारिश से मौसम सुहाना हो गया।लोगों को भीषण गर्मी से मिली राहत। स्मार्ट सिटी सहारनपुर के निचले इलाकों में जल निकासी के माकूल प्रबन्ध न होने से जल जमाव से लोगों को दो-चार होने को मजबूर होना पड़ा। कई दिनों की जबरदस्ती गर्मी यानि मौसम 44-45 डिग्री सेल्सियस तक बने रहने के कारण लोग बेहद परेशान थे। रातों में भी विद्युत आपूर्ति सुचारू न होने से और जलापूर्ति नियमित न होने से लोग बहुत परेशान थे।रविवार सुबह 8 बजे से पूरे जनपद और आसपास के क्षेत्रों में जमकर मेघा बरसे और सड़कें पानी से लबालब हो गई। नाले और नालियां अतिरिक्त पानी को नहीं ले पाने से सड़कों पर पानी भर गया। लोगों को आवाजाही में भारी असुविधा हुई। कई इलाकों में तेज हवाओं से पेड़ों की टहनियां भी टूट गईं। सहारनपुर-देहरादून मार्ग पर कई स्थानों पर इससे यातायात भी अवरूद्ध हुआ। बारिश के दौरान पूरे जनपद में विद्युत आपूर्ति ठप्प रही। दोपहर 2 बजे के बाद सूर्य निकला और फिर से मौसम में तपिश बढ़ गई।

आज सुबह हुई झमाझम बरसात ने लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत दिलायी लेकिन बरसात ने नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के विकास कार्यों की पोल पटटी भी खोलकर दी। महानगर की कालोनियां नवीन नगर, चन्द्रनगर, श्रीरामचंद्रपुरी, हकीकत नगर, पंजाबी बाग, खाताखेडी में जलभराव की स्थिति का सामना भी करना पड़ा। यही नही लोगों के घरों में बरसात का पानी घुस गया तथा कोर्ट रोड स्थित दीवानी तिराहे के सामने कई दुकानों में पानी घुसने के कारण लाखों रुपए का नुकसान दुकानदारों व भवन स्वामियों को उठाना पड़ गया। लोगों के घरों और दुकानों में घुसा पानीमहानगर के श्रीरामचंद्र पुरी कालोनी में लोगों के घरों में जलभराव की स्थिति पैदा होने से जहां क्षेत्रवासी परेशान हैं तो वही दुकानों में पानी भरने से सामान खराब होने तथा हर इंसान की चिंता की एक लकीर व्यापारियों के माथे पर खिंच गई है। लेकिन इस समस्या के बीच व्यापारी भी भला क्या करें

फास्ट ट्रैक

11 वर्ष सेवा व सुशासन को समर्पितः विधायक देवेंद्र निम

सहारनपुर। रामपुर मनिहारान विधायक देवेंद्र निम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। वह भाजपा द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरण अभियान के तहत ग्राम सहजवा में आयोजित चैपाल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों, महिलाओं, गरीबों और वंचित वर्गों के लिए अनेक योजनाएं चलाईं-किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत जैसे कार्यक्रमों ने आमजन को राहत पहुंचाई है। विधायक ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को कड़ा जवाब देकर देश ने दुनिया को संदेश दिया है कि यह नया भारत किसी से झुकने वाला नहीं है। बीते वर्षों में देश में हाईवे, उद्योग और बुनियादी ढांचे का तेज विकास हुआ है, जिससे युवाओं और उद्यमियों को नया अवसर मिला है। इस मौके पर बिट्टू नंबरदार, राजपाल सिंह, जयपाल सिंह, विपिन रेड्डी, प्रदीप चैधरी, बृजेश, महिपाल सिंह, सचिन सैनी, विकास सहजवा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रह

पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर चोर

सहारनपुर। थाना नानौता पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने वाले शातिर चोर बाबू उर्फ सरयाब गांव सजूड को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को सजूड पुलिया के पास से पकड़ा गया बताया जा रहा है। पकड़े गए चोर के कब्जे से चोरी की गई अंगूठी बरामद हुई है। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह कम पढ़ा-लिखा है और शराब का आदी है। पैसों की जरूरत के चलते उसने दो साथियों के साथ मिलकर घर से जेवरात चुराए थे। अंगूठी बेचने के प्रयास में वह पकड़ लिया गया है।

स्कूल संचालक बच्चों के वाहनों को लेकर बने लापरवाह

70 से ज्यादा स्कूलों को नोटिस जारी

सहारनपुर 15 जून। जनपद में स्कूली छात्रों के जीवन से खिलवाड़ हो रहा है। परिवहन विभाग द्वारा चलाये गये अभियान से पता चला है कि 70 से ज्यादा ऐसे वाहन है, जिनकी फिटनेस की अवधि खत्म हो चुकी है। परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने आज बताया कि परिवहन विभाग में स्कूलों की बड़ी बस, मिनी बस और मैजिक पंजीकृत हैं। जांच में पाया गया कि 27 स्कूलों के 70 वाहनों की फिटनेस पिछले माह खत्म हो गई। परिवहन विभाग ने ऐसे स्कूल संचालकों को नोटिस जारी कर कहा है कि स्कूल खुलने से पहले वे अपने वाहनों की फिटनेस पूरी करा लें। संभागीय निरीक्षक रोहित सिंह ने कहा कि ऐसा नहीं करने वाले स्कूली वाहनों के लाईसेंस रद्द कर दिए जाएंगे और यदि बिना फिटनेस वाले वाहन इस्तेमाल होते पाए गए उन पर भारी जुमार्ना लगाया जाएगा और जब्त की भी कार्यवाई की जाएगी।

इन्हौना पीएचसी में आरोग्य मेला

सीएमओ ने किया निरीक्षण, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गायब

अमेठी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इन्हौना में मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह ने मेले का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था की समीक्षा की। मेले में 46 मरीजों की ओपीडी की गई। 18 मरीजों की विभिन्न जांचें हुईं। सीएमओ ने मरीजों की संख्या, जांच की स्थिति और दवाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। साथ ही पंजीकरण प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनुपस्थित पाए गए। इस पर सीएमओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देना है।

ग्रामीण पत्रकार यूनियन जिलाध्यक्ष सुखबीर शर्मा के बड़े भाई का निधन

भारत संवाद / चौ.बहादुर सिंह संवादाता गोंडा

अलीगढ।पिसावा निवासी ग्रामीण पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष सुखवीर शर्मा जी के बडे भाई डॉ.धर्मपाल शर्मा जी का लम्बी वीमारी के चलते शुक्रवार को निधन हो गया था ।उसी उपरान्त आज तहसील अध्यक्ष इगलास चौ.बहादुर सिंह अपनी पत्रकार टीम के साथ परिवार वालो को डांढस बधाने व शोकाकुल परिवार को सान्त्वना व पुष्पांजलि अर्पित करने उनके निज निवास पिसावा पहुंचे । जिला अलीगढ ग्रामीण पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष सुखबीर शर्मा के बड़े भाई डॉ धर्मपाल शर्मा (आयु 80 वर्ष) का 13 जून, शुक्रवार दोपहर 2 बजे लम्बी बीमारी के चलते स्वर्गवास हो गया।उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

परिजनों के अनुसार, धर्मपाल शर्मा काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। शुक्रवार को उन्होंने अपने निवास स्थान पर अंतिम सांस ली।

स्व. शर्मा अपने पीछे तीन पुत्र गंगासरण शर्मा (एडवोकेट), सुनील शर्मा, गौरव शर्मा, विशाल अनुभव, एवं चिराग कान्हा सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। शुक्रवार सुबह उनका अंतिम संस्कार पैतृक घाट पर पूरे विधि-विधान से किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार साथी, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की,इस इस दुःख की घड़ी में ग्रामीण पत्रकार यूनियन इगलास तहसील अध्यक्ष बहादुर सिंह के साथ देवेंद्र सिंह बरिष्ठ पत्रकार, राम हरि सिंह, प्रमोद सिंह, आदि डेढ़ दर्जन सदस्य के अलवा महानगर डॉली शर्मा, पंकज कुमार शर्मा संपादक, गभाना से शकुन ठाकुर, दीपांशु महेश्वरी विशेष रूप से शरीक रहे।

अहमदाबाद विमान हादसे व केदारनाथ हेलीकाप्टर दुर्घटना में मृतकों को जिला व्यापार मंडल ने श्रद्धांजलि अर्पित की

भारत संवाद

सहारनपुर ।12 जून को अहमदबाद से लंदन जा रहे 787 ड्रीमलाइनर विमान के उड़ान भरने के कुछ ही पल बाद खराबी आ जाने के कारण क्रू व यात्रियों व मेडिकल कालेज के डाक्टर्स व छात्रों की आकस्मिक मृत्यु व आज प्रातः केदारनाथ में हेलीकाप्टर दुर्घटना में 7 लोगों की मृत्यु पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल की जिला इकाई द्वारा स्थानीय रेलवे रोड पर गहरा शोक प्रकट करते हुए मृतकों की आत्मिक शांति के लिए मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी तथा दो मिनट का मौन भी रखा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन ने कहा कि इस दुर्घटना में 241 यात्री जिनमें महिलाएं, पुरूष, बच्चे भारतीय व विदेशी नागरिक तथा गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी थे और मेडिकल कालेज के डाक्टर्स एवं छात्रों पर आयी अचानक मौत के साए में कुल 270 लोगों की जान चली गयी और सुबह केदारनाथ हेलीकाप्टर दुर्घटना में 7 लोगों की मृत्यु हो गयी है। यह बहुत ही दुःखद और हृदय विदारक है। श्री टण्डन ने कहा कि जाको राखे साइंया मार सके न कोय यह सूक्ति भी इस दुर्घटना में चरितार्थ हो गई और इतनी बड़ी व भयानक दुर्घटना में एक यात्री विश्वास कुमार रमेश सकुशल बच गए। ये ऐसी घटना है जो वर्षों में एक बार होती है। उन्होंने कहा कि विमान व हेलीकाप्टर हादसे की केन्द्र सरकार द्वारा उच्च स्तर पर जांच करायी जायेगी और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हो इसके लिए भी एक वृहद स्तर पर कार्य योजना बनायी जानी चाहिए। श्री टण्डन ने सरकार से मांग की कि दुर्घटना में मारे गये परिवारों

को उचित मुआवजा दिया जाये और घायलों का उपचार कराया जाये। श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन, जिला महामंत्री रमेश अरोडा, जिला कोषाध्यक्ष कर्नल संजय मिडढा, मुख्य संरक्षक मेजर एस.के.सूरी, जिला युवा व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अभिषेक भाटिया, संजीव सचदेवा, राजीव अग्रवाल, आकाश खुराना, भोपाल सिंह सैनी, दीपक कुमार, प्रथम शिवा, वरिष्ठ पत्रकार मनोज मिडढा प्रमुख रहे।

नीट यूजी 2025 में आकाश एजुकेशन के 3 छात्रों का शानदार प्रदर्शन

भारत संवाद

सहारनपुर। टेस्ट प्रिपरेशन सेवाओं में देश के अग्रणी संस्थान आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने गर्वपूर्वक घोषणा की है कि नीट यूजी 2025 की अत्यंत प्रतिस्पर्धी परीक्षा में सहारनपुर शाखा के 3 छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। यह सफलता छात्रों की लगन, अनुशासन और एईएसएल द्वारा प्रदान की गई विश्वस्तरीय कोचिंग और मार्गदर्शन का परिणाम है। परीक्षा परिणाम आज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित किए गए इन छात्रों की उपलब्धियाँ शाखा की शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण को दशार्ती हैं।ये सभी छात्र एईएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम से जुड़े थे, जिसे खास तौर पर नीट जैसी चुनौतीपूर्ण मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए तैयार किया गया है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय एईएसएल द्वारा दिए गए सुदृढ़ शैक्षणिक आधार, कांसेप्ट की स्पष्टता और नियमित व अनुशासित पढ़ाई को दिया।

डी. के. मिश्रा, रीजनल डायरेक्टर, एईएसएल ने छात्रों को बधाई देते हुए कहारूष्नीट यूजी 2025 में हमारे छात्रों की यह असाधारण सफलता अत्यंत सराहनीय है।

100-100 गौवंश क्षमता की 11 अस्थायी गौशालाएं निमार्णधीन

भारत संवाद

सहारनपुर 15 जून। जनपद में बड़ी संख्या में गौवंश निराश्रित होने के चलते मुख्य सड़कों, कस्बों और नगरों के मार्गों पर लापरवाही के साथ आश्रय लिए दिखते हैं और आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। इस समस्या से निपटने के लिए जिले के 11 ब्लाकों में 11 अस्थाई गौशालाओं का निर्माण कराया जा रहा है। जिला मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा.एम.पी.सिंह गौड ने आज रविवार को बताया कि कई गौशालाएं बनकर तैयार हो गई हैं और बाकी इसी माह के अंत तक बनकर तैयार हो जाएंगी। इन सभी गौशालाओं में 200 गौवंश रखे जा सकेंगे। डा.गौड ने कहा कि अभी जिले में 19 गौशालाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें 3308 गौवंश संरक्षित हैं। कुछ गौशालाओं में क्षमता से अधिक गौवंश होने से उनकी ठीक से देखभाल नहीं हो पा रही है। नई गौशालाएं तैयार हो जाने से 1100 और गौवंश को उचित आश्रय उपलब्ध हो जाएगा। जो नई गौशालाएं बन रही हैं, उनमें चार का काम करीब-करीब पूरा हो गया है जिन गांवों में नई गौशालाएं बन रही हैं

विमान हादसे में मृतकों के प्रति श्री गुरूसिंघ सभा ने जताया शोक

भारत संवाद

सहारनपुर। गत 12 जून को गुजरात के अहमदाबाद में लंदन जा रहे विमान के भव्य हादसे में विमान यात्रियों एवं अन्य लोगों की अकाल मृत्यु होने से पूरा विश्व शोक ग्रस्त है। गुरूद्वारा श्री गुरु सिंह सभा रजि. सहारनपुर में आज एक शोक सभा की गयी जिसमें सभी ने एक स्वर में कहा कि यह हृदय विदारक घटना है। इसे शब्दों में ब्यां नहीं किया जा सकता। इस दुख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। अकाल पुरख वाहिगुरू जी के आगे अरदास की गयी कि प्रभु सभी मृतकों की आत्मा को अपने चरणों में निवास दे एवं उनके परिवारों को दुख सहन करने की शक्ति दें। शोक सभा में सिंह सभा के प्रधान स.ुजसबीर सिंह, सीनियर मीत प्रधान स. प्रभजोत सिंह, मीत प्रधान प्रमिन्द्र सिंह कोहली, जनरल सकत्तर अमनप्रीत सिंह, के साथ छवप्रीत सिंह, ईन्दप्रीत सिंह चढा, परमजीत सिंह चड्ढा, प्रितीपाल सिंह जुनेजा, हरेन्द्र सिंह चडढा, बलबीर सिंह धीर, गुरदियाल सिंह, सतविन्द्र सिंह माकन, गुरप्रीत सिंह बग्गा, डा. स्वर्णजीत सिंह, रविन्द्र सिंह, गुरविन्द्र सिंह कालरा, जसवंत सिंह बतरा, दीदार सिंह सेठी, नवनीत सिंह बग्गा, उपकार सिंह सेठी, कुलवंत सिंह भाटीया एवं अन्य बहुत से सदस्य मौजूद थे।

सच कहते हैं लोग

कहते हैं लोग
अपने पिता की छवि हो
उनके जैसे ही ; दिखती हो।

कहते हैं लोग
अपने पिता की प्रतिबिंब हो
उनके जैसे ही ; मेहनती हो।

कहते हैं लोग
अपने पिता की प्रतिरूप हो
उनके जैसे ही ; धैर्यवान , साहसी हो

कहते हैं लोग
अपने पिता की परछाई हो
उनके जैसे ही ; दयालु हो

कहते हैं लोग
अपने पिता की रूप हो,
उनके जैसी ही ; गुणवान, धार्मिक हो।

सच कहते हैं लोग
अपने पिता की जैसी हो
उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलती हो।

(मौलिक रचना)
चेतना सिंह, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
५/०६/२०२५, १:०९ पूर्वाह्न

शहीद निशांत शर्मा की स्मृति में छबील लगायी

भारत संवाद

सहारनपुर। सर्किट हाउस रोड के लेबर कॉलोनी स्थित बी डी एम पब्लिक स्कूल के निकट अमर शहीद निशांत शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर फू ल माला मालाओं से श्रद्धा सुमन अर्पित कर अमर शहीद निशांत शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अमर शहीद निशांत शर्मा को याद करते हुए उनकी यादगार में जन्मदिन के अवसर पर मिष्ठान शरबत पानी व हलवे का वितरण करके मनाया गया इस अवसर पर पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा व शिक्षक नेता डॉ. अशोक मलिक ने कहा कि हमें शाहिद निशांत शर्मा से प्रेरणा लेकर देश के नौजवानों को देश हित में समर्पित भावना के साथ देश प्रेम की भावना कूट-कूट कर भर प्रेरित करना होगा यही निशांत शर्मा जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी हम सभी के लिए सर्वप्रथम अपना राष्ट्र सेवा होना चाहिए नौजवानों को शाहिद निशांत शर्मा से प्रेरणा लेनी चाहिए जो देश के लिए सीमाओं की रक्षा करते हैं हमें चैन की नींद सुलाते हैं और खुद दुश्मनों से लोहा लेते हुए बलिदान हो जाते हैं ऐसे अमर शहीदों के माता-पिता और भाइयों और परिवारों पर हमें गर्व है जी माता की कोख से ऐसे शाहिद निशांत शर्मा जैसे सुपुत्र पैदा होते हैं हमें ऐसी माता पर कोटि-कोटि धन्यवाद और गर्व महसूस होता है वह धन्य के पात्र हैं जो देश की रक्षा के लिए अपने सपूत को देश की सेवा के लिए भेजते हैं हमें ऐसी माता पर गर्व है। इस अवसर पर श्रीमती रश्मि पेरेंट्स समाजसेवी विनोद शर्मा विवेक शर्मा अभिषेक शर्मा राहुल शर्मा सनी तोमर राजकुमार त्यागी आयुष अग्रवाल राजकुमार त्यागी लुप्ति सिंह अराउंड पेरेंट्स अंकित शर्मा श्रवण अधिकारी अशोक कुमार राकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

नशा तस्कर गिरफ्तार अवैध स्मैक बरामद

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना रामपुर मनिहारान पुलिस ने एक शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 30 ग्राम अवैध स्मैक व एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने एनडीपीएस की धाराओं में चालान कर जेल भेज दिया।थाना रामपुर मनिहारान प्रभारी सतेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने वाहन चैकिंग अभियान ग्राम ईदगाह रोड पर शमशान जाने वाले रास्ते के पास से प्रदीप पुत्र ओमसिंह निवासी ग्राम सांगाठेडा थाना गंगोह जिला सहारनपुर को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने 30 ग्राम अवैध स्मैक व घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी भी बरामद की है। पुलिस टीम में एर्सआ राजेश चैधरी, आरक्षी विक्रान्त कुमार, रोहित राणा, अंकित सिंह शामिल रहे।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

क्या आपकी अंग्रेजी कमजोर हैं

आज के समय में नौकरी पाने के लिए की बहुत आवश्यक होती है। यदि आपकी इंग्लिश कमजोर है तो नौकरी मिलने में दिक्कत होगी और आपको अच्छी नौकरी नहीं मिल पाएगी। यदि आप इंग्लिश में कमजोर है तो आपको ग्रामर और प्रैक्टिस करना होगा। याद रखे आप प्रैक्टिस में गलतियां भी करेंगे, लेकिन गलतियों के रास्ते से होकर ही आप अपने लक्ष्य तक पहुंचेंगे। यहां कुछ ऐसे तरीके दिए गए हैं, जो आपकी इंग्लिश को बेहतर बना सकते हैं।

इंग्लिश रीडिंग

आप अधिक से अधिक समय तक इंग्लिश भाषा में ही पढ़ें। आप पेपर, मैग्जीन, ब्लॉग्स इंग्लिश को में ही पढ़ें और नोट्स भी इंग्लिश में तैयार करें। इससे आपको मदद मिलेगी।

इंग्लिश प्रैक्टिस

आपको अच्छा करियर बनाना है तो आपको हर बात इंग्लिश में बोलने की प्रैक्टिस करनी होगी। शब्दों के साथ हाव-भावों को भी काम में लें। उदाहरण के तौर पर ओके बोलने के लिए हाथ का अंगूठा दिखाए। ऐसा करने से आपको शब्द याद रखने में मदद मिलेगी।

इंग्लिश ऑडियो

आपको इंग्लिश सीखने के लिए अधिक से अधिक इंग्लिश को सुनना होगा और बोलचाल के शब्दों और वाक्यों को आदत में लाने के लिए जरूरी है। जैस इंग्लिश न्यूज चैनल, रेडियो व पॉडकास्ट को ज्यादा से ज्यादा सुने और भाषा की बारीकियां समझे। इससे इंग्लिश सिखने में मदद मिलेगी।

इंग्लिश ग्रुप डिस्कशन

इस तरीके का मुख्य लक्ष्य होता है कि आपको किसी भी स्थिति में प्रभावी और पूरी तरह से अपनी बात कहना आ जाए। इसके लिए आप ग्रुप बनाकर कोई टॉपिक पर डिस्कशन करें। जैसे - ट्रैवल, फूड, न्यूज, हिस्ट्री, ग्लोबल वॉर्मिंग चुन लें और उस पर आपस में लगातार बिना रुके बात करें। जितना ज्यादा आप इस प्रैक्टिस में सफल होंगे, इंग्लिश उतनी ही मजबूत होगी।

आकर्षक करियर की राह को सुगम बनाता है इंटर्नशिप

एक इंटर्नशिप के लिए बेहतर रणनीति यह है कि वह कार्यस्थल पर सबको सुने, सीखे और अपना विकास करे। इंटर्नशिप एक ऐसा अवसर है जो फ्रेशर्स के लिए आकर्षक करियर की राह को सुगम बनाता है

एक इंटर्नशिप के लिए बेहतर रणनीति यह है कि वह कार्यस्थल पर सबको सुने, सीखे और अपना विकास करे। इंटर्नशिप एक ऐसा अवसर है जो फ्रेशर्स के लिए आकर्षक करियर की राह को सुगम बनाता है। कई बार इंटर्नशिप पर आने वाले छात्रों की अच्छी परफॉरमेंस देख कर स्थायी नौकरी पर रख लिया जाता है। हालांकि इंटर्नशिप का सिद्धांत यानी कम पैसों में आधारभूत कार्यानुभव हासिल करना, पश्चिमी देशों में अधिक लोकप्रिय है पर पिछले कुछ समय में भारत में भी यह प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

किसी भी क्षेत्र में करियर बनाने की सबसे पहली सीढ़ी होती है इंटर्नशिप। इससे आपको अपने क्षेत्र में व्यवहारिक ज्ञान मिलता है। ऐसे में कई स्मार्ट तरीके अपनाने होते हैं ताकि इंटर्नशिप जल्द से जल्द जॉब में बदल जाए। किसी उम्मीदवार के लिए इंटर्नशिप अनुभव अर्जित करने, नये संपर्क बनाने और नियोक्ता के समक्ष अपनी उपयोगिता साबित करने का अच्छा अवसर होता है। इसके जरिए वे संस्थान में पूर्णकालिक नौकरी हासिल करने में भी कामयाब हो सकता है। एक इंटर्नशिप के लिए बेहतर रणनीति यह है कि वह कार्यस्थल पर सबको सुने, सीखे और अपना विकास करे। इंटर्नशिप एक ऐसा अवसर है जो फ्रेशर्स के लिए आकर्षक करियर की राह को सुगम बनाता है। कई बार इंटर्नशिप पर आने वाले छात्रों की अच्छी परफॉरमेंस देख कर स्थायी नौकरी पर रख लिया जाता है। हालांकि इंटर्नशिप का सिद्धांत यानी कम पैसों में आधारभूत कार्यानुभव हासिल करना, पश्चिमी देशों में अधिक लोकप्रिय है पर पिछले कुछ समय में भारत में भी यह प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

सोशल स्किल की जरूरत

कॉलेज लाइफ और नौकरीपेशा जीवन में बहुत अंतर होता है। कॉलेज स्टूडेंट जब नौकरी करना शुरु करते हैं, तो उनमें बहुत सी चीजों की आवश्यकता होती है। सबसे पहले जिस चीज की जरूरत होती है वह है सोशल स्किल। सोशल स्किल ही आपको वर्कप्लेस पर कमयाब बनाती है। इंटर्नशिप के दौरान स्टूडेंट बाकी सहकर्मियों के साथ काम करते हुए, इसे डेवलप करते हैं। जो उन्हें आगे बहुत काम आता है। इंटर्नशिप के दौरान वह सीख जाते हैं कि, आखिर ऑफिस के माहौल में खुद को किस तरह एडजस्ट करना है। एक इंटर्न के लिए अच्छी सोशल स्किल काफी काम आती है। ऑफिस सहकर्मी के साथ दोस्ताना व्यवहार रखना ,दूसरे लोगों को ऑब्जर्व करना ,ऑफिस में लोग एक दूसरे से कैसे बात करते हैं, जैसी बातें सीखने को मिलती हैं।

व्यवहारिक ज्ञान बढ़ेगा

इंटर्नशिप से काफी कुछ सीखने को मिलता है। इसके जरिए आपको प्रेक्टिकल नॉलेज मिलती है। ऑफिस में फोन पर किसी से बात कैसे करनी है। पर्सनल फोन आने पर किस तरह हैंडल करना है। कस्टमर से कैसे डील करना है। ऑफिशियल मेल कैसे भेजना है। जैसे प्रैक्टिकल जानकारी इंटर्नशिप के दौरान मिलती है।

समय पर ऑफिस पहुंचे

कॉलेज और इंस्टिट्यूट में टाइम की कोई पाबंदी नहीं होती। एक लेक्चर छूट गया तो, दूसरा अटेंड करा जा सकता है या दोस्तों से उसके बारे में भी पूछा जा सकता है। लेकिन नौकरी में ऐसा नहीं होता। समय पर पहुंचना बहुत जरूरी होता है। नहीं तो सैलरी कटने के साथ ही, इससे ऑफिस में इमेज भी खराब होती है। इंटर्नशिप के दौरान आप ऑफिस में सबसे जूनियर होते हैं। हर दिन आपको समय से पहले आना होता है। सीनियर्स काडर आपको समय का पाबंद बना देता है। यही आदत आपको लाइफ में आगे बढ़ने में मदद करती है।

समय से काम को पूरा करें

इंटर्नशिप के दौरान हर दिन सीनियर्स द्वारा मिलने वाले काम को उसी दिन पूरा करना, वह भी प्रशिक्षण के साथ। यह आदत कॉलेज के दिनों में नहीं होती। नौकरी शुरू करने से पहले, इंटर्नशिप से आप, किसी भी काम को समय पर पूरा करने की आदत सीख जाते हैं।

कम्युनिकेशन स्किल बढ़ेगी

नौकरी से पहले इंटर्नशिप करने से बातचीत करने का तरीका भी आ जाता है। किससे किस तरह बात करनी है। कितनी बात करनी है। किस तरह के शब्दों का प्रयोग करना हैज्आगे चलकर यह नौकरी में फायदा पहुंचाते हैं।

स्थायी कर्मियों की तरह काम करें

खुद को इंटर्न मान कर काम के प्रति लापरवाह न बनें। सौंपे गये कार्य को पूर्णकालिक स्टाफ की तरह पूरा करने का प्रयास करें। काम के प्रति अपनी जिज्ञासा दिखाएं। सुबह जल्दी आएं और जरूरत हो तो देर तक काम करें। जिस पद पर काम कर रहे हैं उससे एक कदम ऊपर के पद के अनुसार कपड़े पहनें। पूरे आत्मविश्वास के साथ काम करें। सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े और हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करें।

कंपनी पर अपनी पकड़ बनाएं

संस्थान की जरूरत को समझने का प्रयास करें और आप किस तरह उस जरूरत को पूरा कर सकते हैं, इस संबंध में विचार करें। प्रत्येक प्रोडक्ट और सेवा को समझें। कंपनी के ग्राहकों और उपभोक्ताओं के साथ अच्छा व्यवहार करें। इससे उपभोक्ता के स्वभाव को समझने में मदद मिलेगी। साथ ही आपका उपभोक्ता को अच्छी सेवा देने वरिष्ठों की नजर से सकारात्मक असर पड़ेगा। इतना ही नहीं, इससे आप अपने लिए उस इंडस्ट्री में आगे बढ़ने का रास्ता समझ सकेंगे।

अपनी सोच को विस्तार दें

आपकी सोच से हर संभावित प्रश्न और जरूरत का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता झलकनी चाहिए। अन्य इंटर्न उम्मीदवारों में खुद को अलग करने के लिए आपसे अपेक्षा किए जाने वाले कार्य से अधिक काम करें। खुद को किसी अतिरिक्त प्रोजेक्ट में वालेंटियर के तौर पर प्रस्तुत करने से पीछे न हटें। अपनी समय सीमा को लेकर भी लचीला रूख अपनाएं। जरूरत के समय आपका जल्दी आना और देर से जाना टीम सदस्यों के बीच अच्छी छवि बनाने में मदद करेगा। सौंपे गये कार्य के अलावा किसी अतिरिक्त काम को भी मन लगाकर करना, लचीला रूख और काम के संबंध में एकाग्रता से सोचना अपनी भूमिका के प्रति आपके समर्पण को दर्शाता है। इससे आपके सहकर्मी और वरिष्ठ सदस्य आपको उस टीम का हिस्सा मानने लगते हैं।

चुनौतीपूर्ण है सिविल इंजीनियरिंग को करियर के रूप में चुनना

अगर आप ने भी सिविल इंजीनियरिंग से बी.टेक/बी.ई. पूरा किया है तो इस आर्टिकल के जरिए आप जान सकते हैं कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना चाहिए।

कम से कम 40 सब्जेक्ट्स की पढाई करने के बाद कोई सिविल इंजीनियर बनता है इसलिए सिविल इंजीनियरिंग को करियर के रूप में चुनना बहुत चुनौतीपूर्ण है। सिविल इंजीनियर किसी भी बुनियादी ढांचा परियोजना पर काम कर सकते हैं। इसमें पुलों, बिजली स्टेशनों, हवाई अड्डों, बांधों, सड़कों और राजमार्गों, एक्सप्रेसवे, जलमार्गों, इंडस्ट्रियल यूनिट्स, इमारतों, कारखानों आदि का निर्माण और रखरखाव शामिल है। वहीं, यदि आप नेचुरल और फिजिकल बिल्ट एनवायरनमेंट के डिजाइन, निर्माण और क्रिएटिविटी में इंटरेस्ट रखते हैं, तो सिविल इंजीनियरिंग करियर अपनी कैपबिलिटी साबित करने और अपनी मनचाही नौकरी पाने के लिए सबसे अच्छा विकल्प है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के बाद सिविल इंजीनियरिंग इंजीनियरिंग की दूसरी सबसे पुरानी व्यावसायिक डिग्री है।

भारत में मैनेजमेंट डिग्री

कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, रियल एस्टेट मैनेजमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट में एमबीए कुछ ऐसे कोर्स हैं जिनकी बहुत अधिक मांग है। आजकल, कंपनियां हाईली कॉम्पिटेटिव एनवायरनमेंट में चुनौतीपूर्ण कार्य करने के लिए एक्सेप्शनल टेक्निकल मैनेजरियल स्किल्स वाले उम्मीदवारों की तलाश कर रही हैं।

विदेश में मैनेजमेंट डिग्री पाठ्यक्रम

जीआरई पर आपके स्कोर के आधार पर, आप एमएस के लिए टॉप रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों में से एक चुन सकते हैं। आप सिविल इंजीनियरिंग में अपनी पसंद की स्पेशलाइजेशन के साथ विदेशी विश्वविद्यालयों में एडमिशन ले सकते हैं। सिविल इंजीनियरों की दुनिया भर में हमेशा मांग रहती है। आप हमेशा विदेशों में बेहतर करियर के अवसरों की तलाश कर सकते हैं।

भारत में सिविल इंजीनियरिंग और निर्माण व्यवसाय शुरू करें

यह एक अनयूज़्ड मार्किट है और इसलिए इसमें बहुत संभावनाएं हैं। सिविल इंजीनियर इनोवेशन कर सकते हैं और ऐसे विचारों के साथ सामने आ सकते हैं जो डिज़ाइन और निर्माण की प्रक्रिया को बेहतर बनाते हैं।

GATE परीक्षा के माध्यम से भारत में उच्च शिक्षा

आप सिविल इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन के साथ एम.ई. या एम.टेक कर सकते हैं। इसके बाद आप निर्माण क्षेत्र में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं। आप एकेडमिक में भी अपना करियर बना सकते हैं और टीचर बन सकते हैं।

पब्लिक सेक्टर यूनिट्स (पीएसयू) में नौकरी के अवसर

यदि आप तकनीकी रूप से अच्छे हैं, तो आप पीएसयू में अप्लाई कर सकते हैं। आजकल, वे मुख्य रूप से ब्रअश्र स्कोर पर निर्भर हैं। लगभग सभी सरकारी कंपनियाँ राष्ट्रीय समाचार पत्रों में नियमित रूप से नौकरी के विज्ञापन प्रकाशित करती हैं।

सरकारी इंजीनियरिंग नौकरियां

आप विभिन्न सरकारी इंजीनियरिंग विभागों में प्रथम श्रेणी के पदों के लिए सरकारी परीक्षा भी दे सकते हैं। आप सरकारी विभाग में अपनी नौकरी पाने के लिए यूपीएससी और भारतीय इंजीनियरिंग सेवा जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं, आप सीएसआईआर फ़ेलोशिप के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं।

सही मार्गदर्शन कॅरियर को मजबूत कर सकता है

अक्सर विद्यार्थी इस तथ्य से अनजान होते हैं कि सही समय पर सही निर्णय लेना करियर निर्माण की प्रारंभिक तथा महत्वपूर्ण अवस्था होती है। कई बार विद्यार्थी अपने साथियों द्वारा लिए गये निर्णय के अनुसार व्याकुल तथा अस्पष्ट मन से निर्णय लेकर गलत कोर्स का चयन कर लेते हैं, जिससे इनके लिए आगे सफल करियर का मार्ग बंद हो जाता है। कई बार ये चयन ज्ञान और जागरूकता की कमी के परिणाम होते हैं। यहाँ, इन अनभिज्ञ विद्यार्थियों के लिए एक प्रभावशाली मार्गदर्शन दिया गया है।

शिक्षण के पथ का चयन एक विद्यार्थी के जीवन का महत्वपूर्ण भाग होता है। विद्यार्थियों को अपने शिक्षण के लिए एक विशेषज्ञ के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। सही मार्गदर्शन विद्यार्थियों को एक उचित, इच्छित तथा सुविचारित विकल्प का चयन करने में सहायता प्रदान करता है। यह उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन को उजागर करता है तथा उनके संपूर्ण व्यक्तित्व को निखारता है। सही मार्गदर्शन विद्यार्थियों की आत्म-जागरूकता को बढाता है, जो उनकी योग्यताओं, क्षमताओं तथा रूचियों की समझ को विकसित करता है तथा ये उचित करियर के चयन में कैसे मुख्य भूमिका अदा करते हैं, इत्यादि में सहायता करता हैं। उचित मार्गदर्शन आपके कौशल तथा आत्मविश्वास का निर्माण करता है। यह आपके सामर्थ्य तथा कमजोरियों को निर्धारित करके आपके अन्दर विद्यमान कुशलता और क्षमताओं की पहचान कराता है।

विद्यार्थियों के जीवन में उचित मार्गदर्शन की भूमिका को देखते हुए, निम्नलिखित बिंदुओं की सहायता से एक विद्यार्थी अपनी रूचियों, योग्यताओं और क्षमताओं के साथ अपने भविष्य की योजना बना सकता है।

एक सलाहकार खोजें

अपने सपनों को पूरा करने तथा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, एक सलाहकार होना आवश्यक है। वह एक भाई, बहन, अध्यापक या मित्र कोई भी हो सकता है। एक सलाहकार आपको सही मार्गदर्शन तथा प्रोत्साहन देता है। एक सलाहकार आपकी क्षमताओं की सीमाओं को एक नए तरीके से आगे बढाता है तथा आपके लक्ष्यों को पूर्ण करने की ओर पहला कदम उठाता है। वह लगातार आपको प्रोत्साहित करके आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता रहता है, जिससे आपका सर्वोत्तम प्रदर्शन उजागर होता है। एक सलाहकार आपके सफल करियर पथ में आपको मार्गदर्शन तथा सहायता प्रदान करता है।

कोई परीक्षा दें

इन दिनों किसी कोर्स के लिए विद्यार्थी की योग्यता को जाँचने हेतु कई टेस्ट लिए जाते हैं। ये टेस्ट एक कोर्स या पाठ्यक्रम में आपकी रूचि का अनुमान लगाने के लिए उसी कोर्स के लिए आवश्यक योग्यता के आधार पर तैयार किए जाते हैं। इस प्रकार के टेस्ट आपकी वास्तविक क्षमता व रूचि को परखने तथा एक उचित करियर निर्णय लेने में सहायक होते हैं।

शिक्षकों तक पहुँच बनाएं

प्राचीन समय से ही शिक्षक सही दिशा में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित तथा मार्गदर्शित करते आ रहे हैं। वे न केवल सही करियर चयन में आपकी सहायता करते हैं बल्कि एक अच्छा इंसान बनने की शिक्षा भी देते हैं। वे विद्यार्थियों को अनुशासित करने के साथ-साथ शिक्षा के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करते हैं कि उन्हें सफलता के लिए सबसे संभव तरीकों से क्या करना चाहिए और कैसे करना चाहिए। विद्यार्थी करियर, कोर्सेज हेतु शिक्षकों द्वारा विस्तृत सलाह प्राप्त कर सकते हैं, जो उनके उचित निर्णय लेने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

अपना नेटवर्क बढ़ाएं

वैश्वीकरण की दुनिया में जहाँ हम रहते हैं, नेटवर्किंग हमारे करियर विकल्पों को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। अपने साथियों या सीनियर्स से चर्चा करना अधिक संभावनाओं को समझने एवं तलाश करने में सहायक हो सकती हैं।

नेटवर्क द्वारा हमें यह पता चल सकता है कि जिस कोर्स को हम करने का विचार कर रहें है वो कैसा है। दूसरी ओर, पूर्व विद्यार्थियों से सम्पर्क, आपकी सोच का विस्तार करने में सहायता करता है एवं आपके लक्ष्यों को प्राप्त करने के नये तरीके प्रदान करता है। ये आपको नये अवसर तलाशना सिखा सकते हैं तथा आप उन्हें कैसे सफलता के मार्ग को बनाने में प्रयुक्त करेंगे, यह सिखाते हैं। संक्षेप में, विद्यार्थियों के जीवन में सही मार्गदर्शन एक अहम भूमिका निभाता है तथा उनके विकास की गति बढाता है। यह न केवल उनका उचित करियर चयन करने में सहायता करता है बल्कि आगे के सुनहरे भविष्य के लिए स्वतन्त्र निर्णय लेने की उनकी योग्यता में भी वृद्धि करता है।

नाइजीरिया के बेन्यू में 100 लोगों की गोली मारकर हत्या

सैकड़ों घायल, कई लापता; बंदूकधारियों ने कई परिवारों को घरों में बंद कर जिंदा जलाया

एजेंसी

अबुजा, नाइजीरिया के नॉर्थ-सेंट्रल बेन्यू स्टेट के गुमा स्थित येलेवाटा में कम से कम 100 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सैकड़ों लोग घायल हैं और दर्जनों लोग अभी भी लापता हैं। ह्यूमन राइट्स ग्रुप एमनेस्टी इंटरनेशनल नाइजीरिया ने फेसबुक पर एक पोस्ट में बताया कि यह हमला शुक्रवार देर रात से शनिवार सुबह तक हुआ। घायलों को अब तक जरूरी मेडिकल सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। एमनेस्टी के मुताबिक, इस सामूहिक हमले में हमलावरों ने गांव के कई परिवारों को उनके घरों में बंद करके जिंदा जला दिया। लोग इतने बुरी तरह जल गए, उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। बेन्यू पुलिस ने हमले की पुष्टि की है, लेकिन यह नहीं बताया कि हत्याएं किसने की और कितने लोग मारे गए हैं। स्थानीय लोगों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि हमले में 100 से अधिक लोगों के मरने की आशंका है।

बेन्यू में जमीन-पानी के लिए मुस्लिम-ईसाई लोगों में लड़ाई बेन्यू नाइजीरिया के मध्य बेल्ट में है, जिसके उत्तर में बहुसंख्यक मुस्लिम आबादी है और दक्षिण में ज्यादातर ईसाई रहते हैं। दोनों समुदायों के बीच अक्सर जमीन और पानी के लिए लड़ाई होती है। जातीय और धार्मिक बंटवारे के कारण ये झगड़े और भी बदतर हो जाते हैं। खासकर जमीन को लेकर मुस्लिम और ईसाई चरवाहों और किसानों के बीच कॉम्पिटिशन है। चरवाहों को अपने मवेशियों के चरने लिए और किसानों को खेती के लिए जमीन की जरूरत होती है। किसान चरवाहों पर आरोप लगाते हैं कि वे मवेशियों को उनके खेतों में चराते हैं और फसल नष्ट कर देते हैं। चरवाहों का तर्क होता है कि ये जमीन चरागाह के रास्ते हैं, जिन्हें देश की आजादी के पांच साल बाद 1965 में पहली बार कानून बनने के बाद अधिकार मिला था। मई में चरवाहों ने 42 लोगों की गोली मारकर हत्या की पिछले महीने, नाइजीरिया के बेन्यू के ग्वेर वेस्ट जिले में हुए एक के बाद एक कई हमलों में संदिग्ध चरवाहों ने कम से कम 42 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अप्रैल में बेन्यू के पड़ोसी राज्य पठार में कम से कम 40 लोग मारे गए थे।

शोध फर्म एसबीएम इंटेलिजेंस के अनुसार, 2019 से अब तक बेन्यू में झड़पों ने 500 से अधिक लोगों की जान गई है और 22 लाख लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। नाइजीरिया में दो सालों में 10 हजार से ज्यादा लोग मारे गए एमनेस्टी इंटरनेशनल ने 29 मई 2025 को अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि पिछले दो सालों में सेंट्रल और नॉर्थ नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमलों में कम से कम 10,217 लोग मारे गए हैं। एमनेस्टी ने राष्ट्रपति बोला अहमद टिनूबू को इसका दोषी ठहराया और कहा कि उनके पदभार संभालने के बाद हिंसक घटनाएं बढ़ी हैं। बेन्यू में सबसे अधिक 6,896 लोगों की मौत हुई, जबकि प्लैटो में 2,630 लोग मारे गए।

डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को सीधी चेतावनी

हमला हुआ तो अमेरिकी सेना की पूरी ताकत दिखेगी

एजेंसी

इजराइल और ईरान के बीच भीषण युद्ध जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है।

उन्होंने साफ कहा कि अगर ईरान की ओर से हम पर किसी भी तरह से हमला किया गया तो अमेरिकी सशस्त्र बलों की पूरी ताकत और शक्ति आप पर पहले कभी नहीं देखी गई स्तरों पर उतरेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी इजराइल और ईरान द्वारा एक दूसरे पर हाल ही में किए गए हमलों के बीच आई है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल

प्लेटफॉर्म पर दावा किया कि रातों-रात ईरान पर इजराइल के हमलों में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है। ट्रंप ने लिखा, 'आज रात ईरान पर हुए हमले में अमेरिका का कोई हाथ नहीं था। अगर ईरान द्वारा हम पर किसी भी तरह से हमला किया जाता है, तो अमेरिकी सशस्त्र बलों की पूरी ताकत और ताकत पहले कभी नहीं देखी गई स्तरों पर आप पर टूट पड़ेगी।' उन्होंने कहा कि वह आसानी से ईरान और इजराइल के बीच समझौता करा सकते हैं और इस संघर्ष को खत्म कर सकते हैं। इस बीच रविवार को ईरान ने तेहरान और वाशिंगटन डीसी के बीच छठे दौर की परमाणु वार्ता को रद्द कर दिया। आपको बता दें कि पिछले 24 घंटों में इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान पर हवाई हमले किए हैं और परमाणु ठिकानों और भूमिगत बैलिस्टिक मिसाइल ठिकानों सहित नागरिक और रक्षा बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है।

> अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी इजराइल और ईरान द्वारा एक दूसरे पर हाल ही में किए गए हमलों के बीच आई है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर दावा किया कि रातों-रात ईरान पर इजराइल के हमलों में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि वह आसानी से ईरान और इजराइल के बीच समझौता करा सकते हैं।

जवाबी कार्रवाई में इजराइल को मामूली नुकसान हुआ है, हालांकि यह पहली बार है जब राजधानी तेल अवीव को ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों से इतना बड़ा नुकसान हुआ है।

ईरान के साथ एकजुटता से खड़ा है पाकिस्तान: प्रधानमंत्री शरीफ

> प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र से आग्रह किया कि वे इजराइल के आक्रामक रुख और उसके अवैध कृत्यों पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल एवं प्रभावी कदम उठाएं।

एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात कर एकजुटता व्यक्त की और इजराइल के हमले को स्पष्टतौर पर उकसावे का कृत्य बताया। इजराइल ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमले किए।

हमलों में कई वरिष्ठ सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। बाद में ईरान ने भी जवाबी हमले किए। शरीफ ने शनिवार को पेजेशकियन से टेलीफोन पर बातचीत में ईरान के खिलाफ इजराइल के हमलों की कड़ी निंदा की।

उन्होंने कहा कि यह हमला ईरान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडतातथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर एवं अंतराष्ट्रीय कानून का पूर्ण उल्लंघन है। शरीफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेशकियन से बात की और इजराइल के अकारण

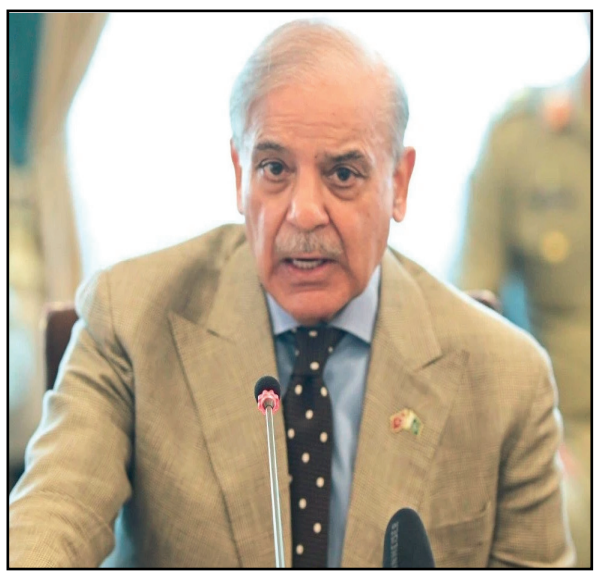

आक्रमण के सामने ईरान के लोगों के साथ पाकिस्तान की अटूट एकजुटता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार है। उन्होंने इजराइल के हमलों को क्षेत्रीय, वैश्विक शांति तथा स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बताया।

रेडियो पाकिस्तान ने अपनी खबर में बताया कि उन्होंने फलस्तीनियों के खिलाफ इजराइल के लगातार नरसंहार अभियान की भी कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र से आग्रह किया कि वे इजराइल के आक्रामक रुख और उसके अवैध कृत्यों पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल एवं प्रभावी कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संदर्भ में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

राष्ट्रपति पेजेशकियन ने इस कठिन समय में, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान के साथ पाकिस्तान के समर्थन और एकजुटता के लिए प्रधानमंत्री शरीफ को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि शरीफ का यह भाव दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है।

इजराइल ने ईरानियों से कहा- मिलिट्री लोकेशन खाली करो

रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया; ईरान ने इजराइल की हाइफा रिफाइनरी पर मिसाइल दागी

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव, ईरान और इजराइल ने शनिवार देर रात एक बार फिर एक-दूसरे पर कई मिसाइलें दागीं। दोनों देशों के बीच बीते 3 दिनों से संघर्ष जारी है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने ईरान में मिलिट्री हथियार फैक्ट्रियों और उनके आसपास रहने वाले नागरिकों को तुरंत इलाका खाली करने की चेतावनी दी है। आईडीएफ के कर्नल अविचय अद्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हथियार

फैक्ट्रियों के पास रहना ईरानियों के लिए खतरनाक हो सकता है। इजराइल का दावा है कि उसने तेहरान में रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया है। इसके अलावा तेहरान और बुशहर में ऑयल डिपो और गैस रिफाइनरी समेत 150 से ज्यादा ठिकानों को तबाह किया है। पिछले तीन दिनों के दौरान इजराइली हमले से ईरान में 138 लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 9 न्यूक्लियर साइंटिस्ट और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल हैं। जबकि 350 से ज्यादा लोग घायल हैं। ईरान की राजधानी तेहरान समेत 7 राज्यों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिया गया है। ईरान ने भी पलटवार करते हुए इजराइल पर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागी हैं। इसमें 14 इजराइली मारे गए हैं और 380 घायल हैं।

कांग्रेस ने पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनने देकर ऐतिहासिक भूल की : हिमंत

एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1980 के दशक में कोई कार्रवाई करने के बजाय पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनने दिया जो एक ऐतिहासिक भूलथी। शर्मा ने दावा किया कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई को रोकने के लिए परमाणु धमकीका इस्तेमाल कर रहा है।मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ऐसे समय में जब आज विभिन्न देश परमाणु खतरों को बेअसर करने के लिए निर्णायक रूप से काम कर रहे हैं, 1980 के दशक के दौरान भारत की दुखद निष्क्रियता एक चेतावनी भरी कहानी है कि क्या हो सकता था, और क्या नहीं हुआ।उन्होंने कहा कि यह किसी अवसर को गंवानेजैसा था क्योंकि रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पास ठोस खुफिया जानकारी थी, जो कहुटा संयंत्र में पाकिस्तान की यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों की पुष्टि करती थी।कांग्रेस की ऐतिहासिक भूल : भारत ने पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न देश कैसे बनने दियाशीर्षक वाले पोस्ट में शर्मा ने दावा किया कि इजराइल ने कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी से लेकर संयुक्त हमले की योजना तक

> मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, भारत के पास खतरे को वास्तविकता बनने से पहले खत्म करने की क्षमता और आम सहमति थी। फिर भी आखिरी समय में इंदिरा गांधी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिणामों के डर से हिचकिचाहट दिखाई।

मदद की पेशकश की थी। उन्होंने कहा कि जामनगर वायुसेना अड्डे को संभावित लॉन्चपैड के रूप में चुना गया था और भारतीय सेना कहुटा पर हवाई हमले के लिए पूरी तरह से तैयार थी।मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, भारत के पास खतरे को वास्तविकता बनने से पहले खत्म करने की क्षमता और आम सहमति थी। फिर भी आखिरी समय में इंदिरा गांधी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिणामों के डर से हिचकिचाहट दिखाई।शर्मा ने दावा किया कि राजीव गांधी ने विदेशी दबाव में कूटनीति को प्राथमिकता देते हुए योजना को टाल दिया था।उन्होंने कहा कि इसका परिणाम यह हुआ कि 1988 में राजीव गांधी ने पाकिस्तान की तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के साथ एक परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें एक-दूसरे के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने पर परस्पर संयम बरतने का वचन दिया गया।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना, मृतकों की संख्या बढ़कर 278 हुई, शव मिलने का सिलसिला जारी

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 278 हो गई. मृतकों के डीएनए सैंपल की जांच प्रक्रिया जारी है.

> अहमदाबाद विमान दुर्घटनास्थल से अभी शव बरामद किए जा रहे हैं. आधिकारिक जानकारी के अनुसार शवों की तलाश का काम अभी भी जारी है. दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से शनिवार को तीन शव बरामद किए गए, जो दुर्घटनाग्रस्त विमान के पिछले हिस्से से मिले. इस तरह दुर्घटना में मरने वालों की कुल संख्या 278 हो गई.

एजेंसी

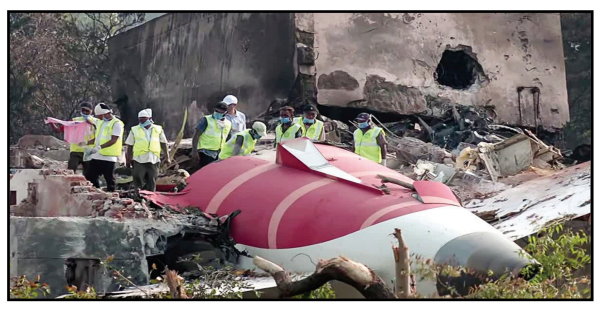

अहमदाबादः अहमदाबाद-लंदन विमान दुर्घटना का आज चौथा दिन है. दुर्घटनास्थल पर बिखरे मलबे से पूरी तरह जले क्षत-विक्षत शव निकलने का सिलसिला जारी है. ताजा आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 278 पहुंच गई है. आइए जानते हैं इस घटना की ताजा स्थिति क्या है.बीजे मेडिकल कॉलेज के मेस के ऊपर विमान की पिछली सीट से एक लड़की और दो अन्य शव जली हुई अवस्था में मिले. लड़की के एयर इंडिया के चालक दल की सदस्य होने की आशंका है. फिलहाल, एनडीआरएफ और अन्य जांच एजेंसियों के साथ दमकल की टीम दुर्घटनास्थल की जांच कर रही है. बचाव दल अभी भी दुर्घटनास्थल के आसपास लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं. आशंका है कि इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है.डीएनए जांच के लिए 252 से अधिक रक्त के नमूने लिए गए, 19 मृतकों के डीएनए सैंपल मैचएयर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए कुल 241 यात्रियों में से कुल 19 यात्रियों के डीएनए नमूने मैच हुए हैं. 17 अन्य मृतक यात्रियों के डीएनए नमूने अभी प्राप्त होने बाकी हैं. अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में कुल 36 विशेषज्ञों द्वारा डीएनए नमूनों के मिलान की प्रक्रिया लगातार चल रही है. 24 घंटे तक लगातार डीएनए मिलान प्रक्रिया जारी है. डीएनए मिलान प्रक्रिया के लिए 36 से 48 घंटे तक बैचों में सैंपल जांच की जा रही है. मृतकों में 3 विदेशी और एक भारतीय नागरिक के डीएनए सैंपल मिलान की प्रक्रिया लंबित है.19 अभी भी लापता, कुल मृतकों में से 9 की पहचान हो चुकी हैयात्रियों के बाद विमान हादसे में सबसे बड़ी क्षति बीजे मेडिकल कैंपस के जूनियर डॉक्टरों की हुई. आशंका है कि विमान हादसे के चौथे दिन भी 17 जूनियर डॉक्टर लापता हैं. विमान हादसे में बीजे मेडिकल हॉस्टल में आग लगने से करीब 100 लोग झुलस गए थे, जिनमें 36 जूनियर डॉक्टर शामिल हैं. घटना के चार दिन बाद भी चार जूनियर डॉक्टर आईसीयू में भर्ती हैं. फिलहाल सिविल कैंपस में शवों को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए कुल 200 एंबुलेंस तैयार हैं. प्रत्येक एंबुलेंस का संचालन पुलिस करेगी.परिजनों का शव मिलने के इंतजार में टूट रहा धैर्यएयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों के शव मिलने में देरी से परिजन परेशान हो रहे हैं. डीएनए सैंपल मिलान में समय लग रहा है. ये एक प्रक्रिया के तहत किया जाता है.

ओवैसी ने ईरान और इराक में फंसे भारतीयों को तत्काल निकालने का आग्रह किया

इजराइली हमले के बाद ईरान के हालात बिगड़ गए हैं. कई भारतीयों के ईरान और इराक में फंसे होने की खबर है.

एजेंसी

हैदराबादः ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान और इराक में फंसे भारतीय नागरिकों को तत्काल निकालने की मांग की है. इस संबंध में उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर और तेलंगाना के मुख्यमंत्री से संपर्क किया है.एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार ईरान में लगभग 1595 भारतीय छात्र फंसे हुए हैं. जिसमें 140 मेडिकल के छात्र हैं जो तेहरान मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ते हैं. ओवैसी ने अधिकारियों के साथ फंसे हुए लोगों का विवरण साझा किया है. उन्हें तत्काल निकालने की आवश्यकता पर बल दिया. ईरान में छात्रों के अलावा, इराक में 183

भारतीय तीर्थयात्री भी फंसे हुए हैं. ओवैसी ने अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे तेलंगाना में उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करें.एक्स पर एक पोस्ट में ओवैसी ने इसकी जानकारी दी. इससे पहले इंडिगो एयरलाइंस की ओर से एक परामर्श जारी किया गया. इसमें कहा गया कि ईरान, इराक और उसके आसपास के क्षेत्र हवाई सेवाओं के लिए उपलब्ध नहीं है. इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण यात्रा की अवधि बढ़ रही है या इसमें देरी हो रही है.पोस्ट में लिखा गया, 'हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले हमारी वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह देते हैं.

पाकिस्तान मुस्लिम लीग और जयराम रमेश में क्या अंतर है?

निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर साधा निशाना

> निशिकांत दुबे ने कहा कि आज पता चला कि व्हाइट हाउस या अमेरिकी सेना ने कभी असीम मुनीर को नहीं बुलाया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग और जयराम रमेश में क्या अंतर है? दूसरी बात, जब 1985 में कनिष्क बम धमाका हुआ, तो कनाडा ने इसकी जांच कब शुरू की? 2006 में शुरू हुई।

एजेंसी

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को कांग्रेस की विदेश नीति पर निशाना साधा। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ अपने एक्स पोस्ट के बारे में बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पाकिस्तान के जाल में फंस गई और उसे लगा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को अमेरिका के व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस ने पढ़ना-लिखना बंद कर दिया है। पिछले 2-3 दिनों से पूरी कांग्रेस पार्टी यही कहती रही कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ

जनरल असीम मुनीर अमेरिका जा रहे हैं। यह पाकिस्तान का एक जाल था। निशिकांत दुबे ने कहा कि आज पता चला कि व्हाइट हाउस या अमेरिकी सेना ने कभी असीम मुनीर को नहीं बुलाया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग और जयराम रमेश में क्या अंतर है? दूसरी बात, जब 1985 में कनिष्क बम धमाका हुआ, तो कनाडा ने इसकी जांच कब शुरू की? 2006 में शुरू हुई। कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के पिता 1968 से 1984 तक कनाडा के प्रधानमंत्री थे। इंदिरा गांधी ने उन्हें 16 साल तक सात पत्र लिखे थे। उन्होंने कहा कि वह उनके पत्रों का जवाब नहीं दे रहे थे, उनकी बात नहीं सुन रहे थे और खालिस्तानी आतंकवादियों को शरण दे रहे थे और आप हमें विदेश नीति सिखा रहे हैं? उन्होंने कहा कि 1948 में इजरायल और फिलिस्तीन दो देश बन गए। 1948 में नेहरूजी ने यूएन में फिलिस्तीन का समर्थन किया और इजरायल का विरोध किया, लेकिन 1950 में नेहरूजी ने मुंबई में गुप्त रूप से अपना व्यापार कार्यालय मिशन खोल दिया। 1953 में मुंबई में इसका महावाणिज्य दूतावास खोला गया। 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध में हमने इजरायली हथियारों का इस्तेमाल किया और मोसाद का इस्तेमाल तत्कालीन लेफ्टिनेंट जनरल जैकब के साथ पाकिस्तान पर हमले की योजना बनाने के लिए किया गया।